

लखनऊ

वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखे
2016-17



संस्थापक

श्रद्धेय श्री चन्द्रभानु गुप्त

मुख्यालय

मोती महल-2, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ

भारत सेवा संस्थान लखनऊ

वार्षिक रिपोर्ट व अंकेक्षित लेखे वर्ष -2016-17

स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं० जवाहरलाल नेहरू के पिता देश के अग्रणी सपूत पं० मोतीलाल नेहरू की पुण्य स्मृति में प्रातः स्मरणीय श्री चन्द्रभानु गुप्त सहित अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा सन् 1934-35 में संस्थापित मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी ने ही अपनी एक इकाई के रूप में, सोसाइटी के उद्देश्यों की पूर्ति एवं राष्ट्र के सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक व आर्थिक क्षेत्रों के बहुमुखी उत्थान एवं समाज के कमजोर, निर्बल एवं असहाय लोगों की सहायता के उद्देश्य की पूर्ति हेतु सन् 1959 में भारत सेवा संस्थान का एक शाखा के रूप में गठन किया गया। वर्ष 1964 तक संस्थान के कार्य-कलापों में अधिक वृद्धि हो जाने के कारण तत्कालीन अध्यक्ष मा० चन्द्रभानु गुप्त के सत् प्रयासों से भारत सेवा संस्थान का एक स्वतंत्र समाजसेवी संस्था के रूप में सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन ऐक्ट 1860 के अंतर्गत विधिवत् पंजीकरण मार्च 1964 में कराया गया, (रजिस्ट्रेशन नं० 983/1963-64)। इसका नवीनीकरण दिनांक 10.10.15 से पांच वर्ष के लिए किया जा चुका है।

भारत सेवा संस्थान के प्रशासन परिषद की वर्ष 2016-17 के सदस्यों की सूची

क्रमांक	नाम / पता	व्यवसाय/पद	सदस्यता
1	मा० श्री भगवती सिंह डी० 2/2 रीवर बैंक कालोनी, लखनऊ।	पूर्व संसद सदस्य (राज्यसभा) पूर्व मंत्री, उ०प्र०	अध्यक्ष 9415158674
2	डा० दाऊजी गुप्ता नन्द निकेतन नाका हिण्डोला, लखनऊ।	पूर्व एम०एल०सी० एवं पूर्व महापौर, लखनऊ	उपाध्यक्ष 9415020354
3	डा० अशोक बाजपेई 23-सी बटलर पैलेस कालोनी लखनऊ	पूर्व कृषि एवं धर्मार्थ मंत्री, उ०प्र०	कोषाध्यक्ष 2207310 9415017429
4	डा० जे०एन०मिश्र ई-1632, राजाजीपुरम, लखनऊ।	पूर्व प्रोफे० राजकीय आयुर्वेदिक कालेज, लखनऊ	महामंत्री 9335907614
5	श्री शान्तिभूषण बी-16, सेक्टर-14, नोएडा, उ०प्र०	सीनियर एडवोकेट (सुप्रीम कोर्ट) पूर्व केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री	संस्थापक सदस्य 9811038510
6	श्री मुन्ना लाल अग्रवाल 43/132, नवल किशोर रोड, लखनऊ	एडवोकेट आयकर, लखनऊ	संस्थापक सदस्य 9044506121 9335928554
7	श्री उमाकान्त मिश्र 2/50 विनीत खण्ड गोमतीनगर, लखनऊ।	प्रवक्ता (अ०प्र०)	संस्थापक सदस्य 2727877
8	श्री आर०सी०त्रिपाठी ए-1055 इन्दिरा नगर, लखनऊ	आई०ए०एस० (अ०प्र०) पूर्व महासचिव (राज्यसभा) भारत सरकार	संस्थापक सदस्य 0522-2353132

9	श्री सरनाम सिंह एम-6/एल-17, अलीगंज, लखनऊ	पूर्व प्रशासनिक अधिकारी स्वास्थ्य विभाग	संस्थापक 9450282439 9793532559
10	डा० रघुबीर सिंह रावत(भा०व०से०) 188/1, दून वैली औफिसर्स हाउसिंग सोसाइटी, वसंतविहार, देहरादून-248006, उत्तराखण्ड	प्रमुख वन संरक्षक (अ०प्र०) उत्तराखण्ड अध्यक्ष अधीनस्थ सेवा चयन आयोग उत्तराखण्ड सरकार	संस्थापक 9412051550
11	डा० फिदाहुसैन अंसारी 5, शेखपुरा कालोनी अलीगंज, लखनऊ	पूर्व अध्यक्ष, उच्च शिक्षा चयन आयोग, उ०प्र०	संस्थापक 9415190415
12	डा० टी० पी० सिंह 5/315, विराम खण्ड, गोमतीनगर लखनऊ	पूर्व निदेशक, बलरामपुर अस्पताल लखनऊ	संस्थापक 9335906198
13	श्री विनय कृष्णा ए-25, निराला नगर, लखनऊ-226020	मुख्य अभियन्ता (सेवानिवृत्त) सिंचाई विभाग व पूर्व प्रबन्ध निदेशक, उ०प्र० लघु पनबिजली योजना निगम।	निर्वाचित सदस्य 0522-2787060 9415017897
14	डा० मधु गुप्ता 169, फैजाबाद रोड, लखनऊ	प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं एम०एल०सी० तथा समाज सेविका	निर्वाचित सदस्य 9415023201
15	श्री शिव सहाय जायसवाल एच०एस० 1/29 ए, सीतापुर रोड, लखनऊ	वैयक्तिक सहायक (सेवानिवृत्त) समाज कल्याण विभाग, उ०प्र०।	निर्वाचित सदस्य 9415799789
16	श्री अरुण कुमार मं०न०-6/174, विपुल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।	क्षेत्रीय प्रमुख (सेवानिवृत्त) हुडको उपक्रम भारत सरकार।	निर्वाचित सदस्य 9453370834
17	डा० राजेन्द्र प्रसाद ए-28, सेक्टर-जे, अलीगंज, लखनऊ।	पूर्व निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डा० बी०सी० राय एवार्ड द्वारा सम्मानित।	निर्वाचित सदस्य 9415021590

वर्तमान में संस्थान की इकाईयां तथा अन्य समाज सेवी कार्य:-

1. आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय, 10 अशोक मार्ग, लखनऊ।
2. चन्द्रभानु गुप्त स्मारक नवचेतना केन्द्र, 10-अशोक मार्ग, लखनऊ।
3. लाजपतराय पुस्तकालय एवं वाचनालय, कैसरबाग, लखनऊ।
4. चन्द्रभानु गुप्त ग्राम विकास योजना एवम् शोध केन्द्र, कोटवा सड़क, हथौंथा, जिला-बाराबंकी।
 - (क) प्रशिक्षण कार्यक्रम
 - (ख) जनस्वास्थ्य कार्यक्रम
 - i-होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी
 - ii-चन्द्रभानु गुप्त आँख अस्पताल
 - iii-सामान्य रोगी चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी, दंत चिकित्सा।
5. सी०बी०गुप्ता होम्योपैथिक चिकित्सालय, सेवाकुटीर, पानदरीबा लखनऊ।
6. चन्द्रभानु गुप्त वाचनालय एवं संग्रहालय, चन्द्रभानु गुप्त नगर (पानदरीबा), लखनऊ।
7. सी०बी०गुप्ता टी०बी० क्लिनिक, चन्द्रभानु गुप्त नगर, (पानदरीबा, लखनऊ)।
8. छोटे लोहिया, जनेश्वर मिश्र, सार्वजनिक पुस्तकालय, बख्शी का तालाब, लखनऊ।
9. सी०बी०गुप्ता बी०एस०एस० महाविद्यालय, चन्द्रावल, लखनऊ। अन्य समाजसेवी कार्य।



माननीय श्री भगवती सिंह
पूर्व सांसद-राज्य सभा
अध्यक्ष, भारत सेवा संस्थान



माननीय डॉ० दाऊजी गुप्ता
पूर्व महापौर एवं विधान परिषद सदस्य
उपाध्यक्ष, भारत सेवा संस्थान



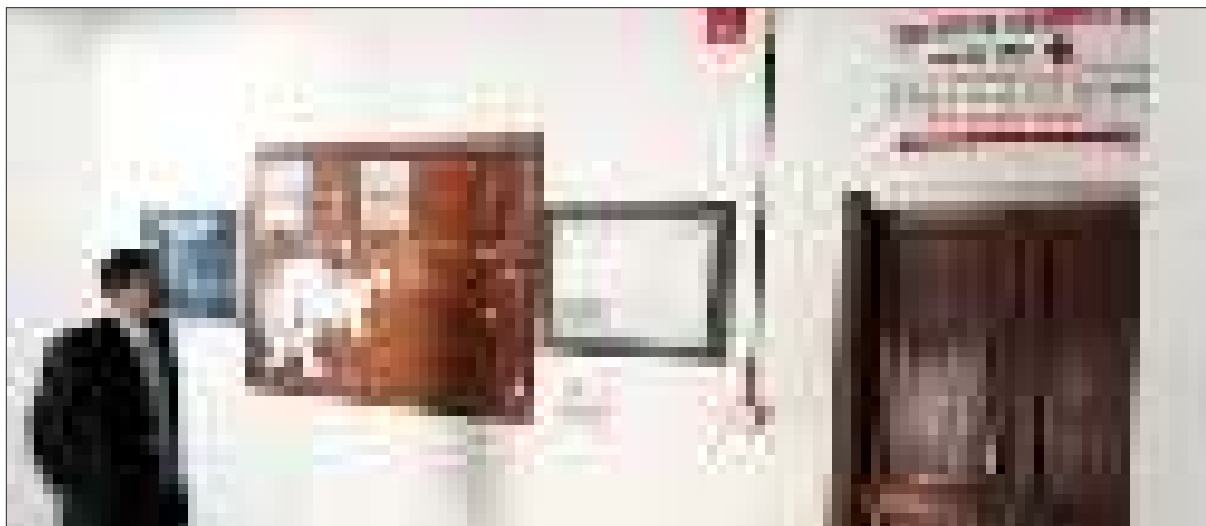
माननीय डॉ० अशोक बाजपेयी
विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व मंत्री, उ.प्र.
कोषाध्यक्ष, भारत सेवा संस्थान



माननीय डॉ० जे०एन० मिश्रा
पूर्व विभागाध्यक्ष (आयुर्वेद), लखनऊ विश्वविद्यालय
अ.वै. महामंत्री, भारत सेवा संस्थान

वित्तीय वर्ष 2016-17 में संस्थान द्वारा विभिन्न इकाईयों में किये गये कार्यों का विवरण

1. आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय, 10-अशोक मार्ग, लखनऊ।



आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय की स्थापना वर्ष 1959 में उ0प्र0 के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री चन्द्रभानु गुप्त के प्रयासों से की गयी थी। प्रारम्भ में यह शैक्षिक पुस्तकालयों की श्रेणी में ही आता था, क्योंकि इसकी स्थापना विशेष रूप से छात्र-छात्राओं (स्नातक एवं उसके ऊपर के छात्रों को वांछित पाठन सामग्री उपलब्ध कराना रहा था। तब यह पुस्तकालय 2-राणा प्रताप मार्ग, मोतीमहल परिसर में मोतीमहल के पश्चिमी ओर स्थित एक दो मंजिली इमारत में हुआ करता था। धीरे-धीरे छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त सामान्य पाठकों को भी यहाँ पुस्तकें व अन्य पठन-पाठन सामग्री उपलब्ध करायी जाने लगी। पुस्तकों के अतिरिक्त अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू के समाचार-पत्र व पत्रिकाएं भी छात्र-छात्राओं के अतिरिक्त सामान्य पाठकों को उपलब्ध करायी जाने लगी और आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय जो मूलतः शैक्षिक पुस्तकालय था, के साथ-साथ सार्वजनिक पुस्तकालय भी बन गया। अतः अगर यह कहा जाय कि आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय मात्र शैक्षिक पुस्तकालय ही नहीं एवं सार्वजनिक पुस्तकालय भी है और इस पुस्तकालय की गिनती शहर के सार्वजनिक प्रारम्भिक पुस्तकालय में की जाती है।

लोकेशन :- स्थापना के समय आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय को मोतीमहल, 2-राणा प्रताप मार्ग पर स्थापित किया गया था जो लखनऊ विश्वविद्यालय के काफी निकटवर्ती था, ताकि विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को अधिकाधिक लाभान्वित किया जा सके। किन्तु सार्वजनिक पुस्तकालय का स्वरूप ले लेने के बाद इसे लखनऊ शहर के सर्वाधिक अच्छी लोकेशन माने जाने वाले हजरतगंज एरिया में 10-अशोक मार्ग पर वर्ष 1984 में श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त नवचेतना केन्द्र में स्थापित कर दिया गया। आज समाजवादी विचारक आचार्य नरेन्द्रदेव के नाम पर स्थापित यह पुस्तकालय नवचेतना केन्द्र बहुमंजिली इमारत के पंचम, षष्ठम एवं सप्तम तल पर स्थित है।

पुस्तकालय प्रबन्ध तन्त्र :- आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय भारत सेवा संस्थान द्वारा संचालित होता है जिसके संचालन हेतु एक प्रबन्ध समिति है। मुख्यालय स्तर पर इसके शीर्षस्थ अधिकारी अध्यक्ष (माननीय श्री भगवती सिंह), उपाध्यक्ष (डा0 दाऊजी गुप्त), महासचिव (डा0 जे0एन0मिश्रा) तथा कोषाध्यक्ष (माननीय डा. अशोक बाजपेई) हैं।

1-उद्देश्य

1. पुस्तकालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य सामान्य पाठकों को पुस्तकालीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ विशेष रूप से छात्र-छात्राओं (स्नातक एवं उसके ऊपर) को आवश्यक पठन-सामग्री उपलब्ध कराना है।
2. छात्र-छात्राओं को प्रतियोगिताओं हेतु वांछित सामग्री उपलब्ध कराना।
3. शोध छात्र-छात्राओं को पुस्तकालीय विशेष सुविधाओं को उपलब्ध कराना।

4. पुस्तकालय विज्ञान में डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कर रहे छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाना।
5. सामान्य पाठकों को पुस्तकालय में प्रतिदिन मंगाये जाने वाले हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू के समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के माध्यम से उनके सामान्य ज्ञान को अपटूडेट रखना।

2-पुस्तकालय खुलने एवं बन्द होने का समय :-

खुलने का समय : प्रातः 11:00 बजे

बन्द होने का समय : सांय 6:00 बजे

(प्रत्येक रविवार व सार्वजनिक अवकाश के दिन पुस्तकालय नहीं खुलता है। इसके अतिरिक्त किसी आकस्मिकता पर पुस्तकालय बन्द किया जा सकता है।)

3-पुस्तक संग्रह :- पुस्तकालय के एक्सेशन रजिस्टर के अनुसार वित्तीय वर्ष 2015-16 में 31 मार्च तक जहां पुस्तकालय की कुल पुस्तकों की संख्या 1,37,170 थी वहीं वित्तीय वर्ष 2016-17 में क्रय की गई एवं राजाराम मोहनराय फाउंडेशन की दानस्वरूप पुस्तकों को सम्मिलित करते हुए कुल 823 पुस्तकों की बढ़ोतरी हुई जिनका भाषावार विवरण निम्नवत् है :-

हिन्दी भाषा की क्रय की गयी पुस्तकों की संख्या	—	333
हिन्दी भाषा में दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकों की संख्या	—	33
अंग्रेजी भाषा की क्रय की गयी पुस्तकों की संख्या	—	174
अंग्रेजी भाषा में दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकों की संख्या	—	88
उर्दू भाषा में दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकें	—	
बालकक्ष की हिन्दी में दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकें	—	
बालकक्ष की अंग्रेजी में दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकें	—	<u>195</u>
योग		<u>823</u>

राजाराम मोहनराय फाउंडेशन कोलकाता से प्राप्त पुस्तकें = 195

4-राजाराम मोहनराय फाउंडेशन संग्रह :- राजाराम मोहनराय फाउंडेशन, कोलकाता द्वारा उ०प्र० सरकार द्वारा स्थापित पुस्तकालय कोष्ठक के माध्यम से प्रतिवर्ष पुस्तकालय को समुचित मात्रा में पुस्तकें निःशुल्क प्राप्त होती हैं। जिनका गत तीन वर्षों का विवरण निम्नवत् है:-

1. वित्तीय वर्ष 2014-15 में कुल प्राप्त पुस्तकें	—	373
2. वित्तीय वर्ष 2015-16 में कुल प्राप्त पुस्तकें	—	376
3. वित्तीय वर्ष 2016-17 में कुल प्राप्त पुस्तकें	—	195

5-पुस्तकालय के सदस्य :- आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में सम्प्रति निम्नलिखित 02 प्रकार की सदस्यता उपलब्ध है :-

	रुपया	रुपया
1. विद्यार्थी सदस्यता	250 / प्रतिभूति	150 / -सदस्यता शुल्क
2. सामान्य सदस्यता	500 / प्रतिभूति	250 / -सदस्यता शुल्क

उपरोक्त 2 श्रेणियों के अतिरिक्त पुस्तकालय में पाठकों को एक विशेष सुविधा दी गयी है जिसमें रुपया 25 / - (प्रतिमाह के आधार पर) लघु समय के लिए पाठकों को सदस्यता प्रदान की जाती है और अपनी आवश्यकतानुसार अपनी सदस्यता एक माह से लेकर आगे जहां तक उसकी आवश्यकता हो प्रतिमाह उसे बढ़ाते रहते हैं।

वर्ष 2016-17 में पुस्तकालय में 1041 सदस्य बनाये गये जो निम्नलिखित है :-

विद्यार्थी सदस्य	:	07
सामान्य सदस्य	:	55
रीडिंग कार्ड	:	<u>979</u>
		<u>1041</u>

6-पुस्तकालय में आने वाले समाचार पत्र

आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में वित्तीय वर्ष 2016-17 में नियमित रूप से दैनिक जागरण, राष्ट्रीय सहारा, अमर उजाला, हिन्दुस्तान, जनसत्ता, तथा दिल्ली से प्रकाशित होने वाला पंजाब केसरी सहित हिन्दी के 7 दैनिक समाचार पत्र पाठकों को उपलब्ध कराये जाते रहे हैं। अंग्रेजी भाषा में पुस्तकालय में नियमित मंगाये जाने वाले 7 दैनिक समाचार पत्र पायनियर, टाइम्स आफ इंडिया, इंडियन एक्सप्रेस, बिजनेस स्टैण्डर्ड, हिन्दुस्तान टाइम्स तथा दिल्ली से प्रकाशित होने वाले स्टेट्समैन, हिन्दू नियमित रूप से पाठकों को उपलब्ध कराया जाता रहा है। वर्णित हिन्दी व अंग्रेजी समाचार पत्रों के अतिरिक्त उर्दू भाषा में लखनऊ से प्रकाशित समाचार पत्र “आग” दैनिक मंगाकर उर्दू पाठकों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

7-पुस्तकालय में आने वाली पत्रिकायें :-

उपरोक्त समाचार पत्रों के अतिरिक्त आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में पाठकों के उपयोगार्थ अनेक साप्ताहिक/पाक्षिक/मासिक पत्रिकायें वर्ष 2016-17 में मंगाई जाती हैं। जिनमें इंडिया टुडे, रोजगार समाचार, आउटलुक हिन्दी की साप्ताहिक पत्रिकाओं के अतिरिक्त कादम्बिनी, प्रतियोगिता दर्पण, विज्ञान प्रगति, योजना क्रानिकल सामयिकी, कम्प्यूटर संचार सूचना, कुरुक्षेत्र, आह जिंदगी तथा कल्याण मासिक पत्रिकायें भी पुस्तकालय में आती रहीं। अंग्रेजी की पत्रिकाओं में पुस्तकालय में इंडिया टुडे, इम्प्लायमेंट न्यूज, टाइम, आउटलुक, साप्ताहिक पत्रिकाओं के अतिरिक्त कम्पटीशन सक्सेज, सांइज रिपोर्टर, रीडर डाइजेस्ट, नेशनल जियोग्राफी, इलेक्ट्रानिक फार यू मासिक पत्रिकायें तथा बिजनेस इंडिया, फ्रन्टलाइन फोर्ट नाइटली पत्रिकायें भी पुस्तकालय में आती हैं।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त पत्रिकाओं में अनेक प्रतियोगी पत्रिकायें हैं, जिन्हें विशेष रूप से विभिन्न प्रतियोगिताओं में बैठने वाले छात्र-छात्राओं के लिए चयनित किया गया। इन प्रतियोगी पत्रिकाओं के अतिरिक्त हिन्द का साप्ताहिक रोजगार समाचार जिसका अंग्रेजी रूपांतर इम्प्लायमेंट न्यूज प्रति सप्ताह प्रकाशित होता है पुस्तकालय में रोजगार तलाश करने वाले युवा/युवतियों के लिए पुस्तकालय में पूरे वर्ष ग्राहकता जारी रखी।

8-प्रतियोगिता पुस्तकें -

मनोरमा इयरबुक (हिन्दी-अंग्रेजी), इंडिया, भारत, उत्तर प्रदेश, सामान्य अध्ययन, घटनाचक्र, रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा, तकनीकी ट्रेड, अध्यापक पात्रता परीक्षा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा, एस0एस0सी0*C.S.A.T, U.G.C. NET/SET, SCC COMBIND GRADUATE LEVEL PRELIMINARY EXAM, M.B.A ADMISSION TEST, IBPS INSTITUTE OF BANKING PERSONNEL SELECTION, SSC JOINT HIGHER SECONDARY EXAM, CPMT EXPLORER, GMT GRADUATE MANAGEMENT ADMISSION TEST, IBPS PO/MT, AIEEE, M.Lib.Sc.Guide, IAS& PCS JOINT, GRE, HOTEL MANAGEMENT, STATE BANK P.O., QUANTITATIVE APTITUDE NUMERICAL ABILITY., TOEFL, IELTS PRACTICE EXAM, NIFT/NID/IIFT, आदि प्रतियोगिता संबंधी पुस्तकें छात्र-छात्राओं को परीक्षा में सफल होने के लिए उपलब्ध करायी जाती है।

9-पुस्तकों की कैटेलागिंग एवं क्लासिफिकेशन :-

विदित हो कि आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में पुस्तकों का वर्गीकरण (क्लासिफिकेशन) डेवीडिसिमल क्लासिफिकेशन स्कीम द्वारा किया गया है तथा वित्तीय वर्ष 2016-17 में पुस्तकालय में 595 पुस्तकों का क्लासिफिकेशन व कैटेलागिंग की गयी। क्लासिफिकेशन के उपरांत इनकी कैटेलागिंग कटर स्कीम के तहत पूरी कर कार्डों को डिक्शनरी आर्डर में समायोजित किया गया है। नई पुस्तकों के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2016-17 में लगभग 466 पुस्तकें जिनकी बाइंडिंग होकर आयी थी उनकी लेवलिंग, नंबरिंग, जैकेट व स्लिप आदि लगाकर पुनः संग्रहित किया गया।

10-पुस्तकों की जिल्दबन्दी :-

पुस्तकों के लगातार प्रयोग से अनेक पुस्तकों की जिल्दें फट जाती हैं। पुस्तकालय में उन्हें पुनः सुरक्षित रखने हेतु उनकी जिल्दबन्दी कराना आवश्यक हो जाता है। वित्तीय वर्ष 2016-17 में पुस्तकों की जिल्दबन्दी पर कुल रु0 29,824/- व्यय किया गया तथा 466 पुस्तकों की जिल्दबन्दी करायी गई।

11-फोटोकापी की सुविधा :-

पुस्तकालय में दो वर्ष पूर्व एक फोटोकापियर खरीदा गया था जो कार्यरत् है जिसमें रु0 1/-प्रति कापी की दर से पाठकों को फोटोकापियां उपलब्ध करायी जाती है।

12-पुस्तकालय द्वारा व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाना :-

आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में राजकीय पालिटेक्निक लखनऊ, श्री रामदेवी रामदयाल त्रिपाठी महिला पालिटेक्निक, कानपुर एवं राजकीय पालिटेक्निक, लखनऊ द्वारा भेजे गये छात्र/छात्राओं को “पुस्तकालय विज्ञान” का चार सप्ताह का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इन छात्र/छात्राओं को वर्गीकरण, सूचीकरण, पुस्तक क्रय, पुस्तकों का आदान-प्रदान, एवं सभी कक्षों से संबंधित जानकारी प्रदान की गयी।

13-बजट :- आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय का वार्षिक तीन वर्षों का बजट निम्नवत् रहा।

वर्ष	रुपयों में
2014-15	28,32,000.00
2015-16	31,09,000.00
2016-17	31,09,000.00

उपरोक्त बजट में भारत सेवा संस्थान द्वारा स्वीकृत धनराशि के साथ उ0प्र0 सरकार से प्रतिवर्ष रु0 2,00,000.00 की धनराशि दो किस्तों में प्राप्त होती रही है।

14-स्वचालित अग्निसूचक यंत्र :-

अग्नि के प्रकोप से बचाव हेतु माह जनवरी-फरवरी 2015 में आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में स्वचालित अग्निसूचक यंत्र लगा दिए गये हैं। अब यदि पुस्तकालय के किसी भाग में आग लग जाये तो इसमें लगे सेंसर धुएं की बढ़ी मात्रा से स्वयं ऐक्टिवेट हो जायेंगे और यंत्र के साथ जुड़े सभी सायरन बज उठेंगे। इस व्यवस्था के लग जाने से अग्नि से पुस्तकों व जान की सुरक्षा में सतर्कता मिलेगी।

15-संविधान सभा के दुर्लभ चित्र का अनावरण :-

आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में 09 दिसम्बर 2016 को अपराह्न 03 बजे भारतीय संविधान सभा के प्रथम अधिवेशन में सम्मिलित लगभग 360 सदस्यों के दुर्लभ छायाचित्र का अनावरण माननीय श्री भगवती सिंह, पूर्व सांसद (राज्य सभा) एवं अध्यक्ष भारत सेवा संस्थान के द्वारा किया गया था। इस अवसर पर भारत सेवा संस्थान के महामंत्री डा0 जे0एन0 मिश्र द्वारा संविधान सभा के छायाचित्र के संबंध में विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। इस अवसर पर शहर के अनेकों गणमान्य एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे।

16-विचार मंच के कार्यकलाप :-

श्रद्धेय श्री चन्द्रभानु गुप्त जी ने समाज के बहुमुखी विकास को दृष्टि में रखते हुए लखनऊ नगर में कई संस्थाएँ स्थापित की। रंगकर्मियों को अपनी कला एवं शैली का प्रदर्शन करने के लिए रवीन्द्रालय का सुव्यवस्थित मंच मिला, वहीं बुद्धिजीवियों को लोकतंत्र राष्ट्रहित से जुड़े सामयिक एवं ज्वलंत प्रश्नों पर विचार मंथन करने एवं उनके निराकरण का मार्ग खोजने के लिए “विचार मंच” का सृजन किया गया। धीरे-धीरे मंच बुद्धिजीवियों के लिए अभिव्यक्ति का एक सशक्त एवं लोकप्रिय माध्यम “विचार मंच” बन गया है। इस मंच से विभिन्न प्रश्नों के समाधान के लिए जो सहमति बनी वह जनतंत्र तथा शासन दोनों के लिए ही दिशावाहक भी बनी।

उपर्युक्त से स्पष्ट है कि “विचार मंच” अतीत की परतें कुरेदकर निरर्थक विवादों में नहीं फंसता, अपितु अत्यंत सामयिक विषय ही चर्चा का आधार बनाता है।

प्रत्येक मास के प्रथम व तृतीय शनिवार को बैठक का आयोजन होता है इन बैठकों में मूर्धन्य साहित्यकार, मझे हुए राजनितिज्ञ, समर्पित समाजसेवी, अर्थ-विचारक, प्रतिष्ठित अधिकारी एवं पत्रकार भाग लेते हैं तथा निर्धारित विषयों पर अपने विचार व्यक्त करते हैं। प्रत्येक बैठक की विषम चर्चा की पूर्व सूचना भी विशिष्ट व्यक्तियों व दैनिक समाचारों के माध्यम से दे दी जाती है।

आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित मुख्य विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई :-

1. मंदिरों में जाना महिलाओं का अधिकार।
2. हरियाली नष्ट होने से जल संकट।
3. सैन्य हेलीकॉप्टर घोटाला देशद्रोह।
4. मोदी ने देश को बचा लिया।
5. सड़कें दुमंजिली की जाएं।

6. कश्मीर समस्या नेहरू की देन ।
7. बदजुबानी से लोकतंत्र को खतरा ।
8. भारत की पाक नीति अब सही ।
9. बलूचिस्तान की आजादी भारत के हित में ।
10. मंहगा चुनाव लोकतंत्र के लिए खतरा ।
11. पटेल के विरुद्ध षड़यंत्र हुआ ।
12. नोटबंदी देश के हित में ।
13. विस्थापित हिन्दू बेसहारा ।
14. चुनावों में पूरी निष्पक्षता हो ।
15. संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी हो ।
16. पहली बार श्रेष्ठ बजट ।
17. न्यायालय की अवमानना हुई ।
18. चुनाव आयोग पूर्ण विफल ।
19. उ०प्र० में राष्ट्रवाद की जीत ।

2- चन्द्रभानु गुप्त स्मारक नवचेतना केन्द्र, 10-अशोक मार्ग, लखनऊ



नवचेतना केन्द्र का शिलान्यास दिनांक 14 जुलाई 1978 को उ०प्र० के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी द्वारा किया गया था। इनके स्वर्गवास के बाद इस भवन का नाम स्व० चन्द्रभानु गुप्त स्मारक नवचेतना केन्द्र रखा गया। इस भवन का संचालन भारत सेवा संस्थान द्वारा किया जाता है।

वर्तमान में इस संस्थान के अध्यक्ष पद पर मा० श्री भगवती सिंह, पूर्व मंत्री उ०प्र० सरकार एवं पूर्व सांसद (राज्यसभा) पदासीन हैं। यह साइट ऑफिस इस भवन के अनुरक्षण का कार्य करता है। वर्तमान में इस साइट ऑफिस के मेम्बर इंचार्ज डा० जे०एन०मिश्र हैं, जो भारत सेवा संस्थान के महामंत्री के पद पर भी आसीन हैं। नवचेतना केन्द्र के मेम्बर इंचार्ज डा० जे०एन०मिश्र के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रशासनिक अधिकारी व साइट आफिस कर्मचारियों के अथक परिश्रम से संस्थान की आय और नवचेतना केन्द्र भवन के अनुरक्षण का कार्य तीव्रगति से चल रहा है। भवन के किराये में उत्तरोत्तर वृद्धि का प्रयास साइट आफिस द्वारा किया जा रहा है।

(भवन का किराया जो विगत वर्ष 2015—16 में लगभग 4,02,28,370.00 था वह वित्तीय वर्ष 2016—17 में लगभग रु० 4,24,62,034.00 हो गया है। माननीय अध्यक्ष जी, माननीय महामंत्री जी, समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग से दिन—प्रतिदिन समस्त कार्य सुचारु रूप से सम्पन्न हो रहे हैं।

संस्थान की गतिविधियाँ

1. वर्ष 2016-17 में लीजडीड

➤ इनिसिएटिव डाटा सिस्टम प्रा०लि० की लीजडीड सम्पन्न करायी गयी।

2. वर्ष 2016-17 में भवन की सुरक्षा, रख-रखाव व उसकी मरम्मत हेतु कराये गये एवं कराये जाने वाले प्रस्तावित कार्य का विवरण।

- भवन के रियर विंग में एक नई लिफ्ट लगाने का कार्य अन्तिम चरण में है।
- भवन की मुख्य बिल्डिंग में एक नई लिफ्ट लगाने का प्रस्ताव है।
- भवन में लगी दोनो पुरानी लिफ्टों की ए०एम०सी० करायी गयी। दोनों लिफ्टें कार्य कर रही हैं।
- भवन की सुरक्षा में तीन गन मैन व दो सुरक्षा गार्ड तैनात हैं।

- भवन की सुरक्षा हेतु आठ सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगे हैं जिसकी मानीटरिंग साइट आफिस द्वारा की जाती है।
- सुरक्षा गार्ड कक्षाओं व कार्यालय में इन्टरकाम की व्यवस्था है।
- भवन में अग्निशमन की व्यवस्था पूर्व से है जिसे अग्निशमन विभाग के मानकों के अनुसार कराया जाना प्रस्तावित है।
- भवन के सामने स्थापित स्व0 चन्द्रभानु गुप्त जी की प्रतिमा पर छतरी लगाया जाना प्रस्तावित है।
- पंजाब नेशनल बैंक के सामने लान को पार्किंग स्थल बनाया जाना प्रस्तावित है।
- रोड बनाये जाने का कार्य प्रस्तावित है।
- मेम्बर इंचार्ज (म0) के मार्गदर्शन में विद्युत खपत कम करने का प्रयास किया जा रहा है।
- भवन में मार्च, 2017 तक निम्न स्थान रिक्त है जिन्हें किराये पर उठाने का प्रयास किया जा रहा है:—
 1. भूतल 900 वर्ग फुट
176 वर्ग फुट
 2. द्वितीय तल 3368 वर्ग फुट



यह पुस्तकालय लखनऊ नगर की घनी आबादी के बीच कैसरबाग में एक प्राचीन ऐतिहासिक स्थान पर है। पुस्तकालय लाजपतराय भवन में ही सार्वजनिक कार्य हेतु निर्मित किया गया है। लाला लाजपतराय से कौन देशवासी परिचित नहीं होगा। दासता के घोर अन्धकार में राष्ट्रीयता के प्रकाश चिन्ह, हृदय विदारक, अमानवीय दमन एवं लाचारी के भयावह वातावरण में निर्भीक साहसी "शेरे पंजाब" विदेशी सत्ता के कट्टर विरोधी, स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायक, प्रभावशाली लेखक सारगर्भित वक्ता तथा जन-जीवन को आन्दोलित करने वाले ऐसे थे लाला लाजपतराय। उनके लेख आज भी ऐतिहासिक एवं प्रेरणा के श्रोत हैं। तत्कालीन त्रिमूर्ति-लाल-बाल-पाल राष्ट्रीयता की प्रतीक एवं प्रेरक थे। राष्ट्र प्रेमी नर-नारी ही नहीं वरन बच्चों के मुख पर भी उनका नाम है। इस पुस्तकालय की छाया में अनेकों जिज्ञासुओं की ज्ञान पिपासा को एवं साधनहीन छात्रों एवं नवयुवकों को वांछनीय सहायता मिल रही है।

कैसरबाग बारादरी के सामने लाजपतराय भवन में यह पुस्तकालय 17 अगस्त, 1971 से कार्यरत है। पुस्तकालय की स्थापना ओड़िसा के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री विश्वनाथदास के द्वारा की गयी थी। स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी ने की थी। यह सार्वजनिक पुस्तकालय 06, कैसरबाग, लखनऊ में स्थित है।

पुस्तकें :-लाला लाजपतराय पुस्तकालय एवं वाचनालय में वर्ष 2015-16 में 20,584 पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में वर्ष 2015-16 में राजा राम मोहनराय फाउण्डेशन कोलकाता द्वारा 185 पुस्तकें हिन्दी भाषा में तथा 12 पुस्तकें अंग्रेजी भाषा में अनुदान के रूप में प्राप्त हुई हैं। इन पुस्तकों के रख-रखाव के लिए दो अलमारियां भी अनुदान स्वरूप प्राप्त हुई हैं।

भारत सेवा संस्थान के द्वारा दिए गए बजट से 8 पुस्तकें हिन्दी भाषा में तथा 16 पुस्तकें अंग्रेजी भाषा में क्रय की गई हैं। सभी प्राप्त पुस्तकों को वर्गीकृत करके पाठकों हेतु उपलब्ध कराया जा रहा है।

समाचार पत्र :-

पाठकों की सुविधा के लिए पुस्तकालय में 14 समाचार पत्र उपलब्ध कराये जा रहे हैं। चूंकि समाचार पत्र ज्ञान वर्धन का सर्वाधिक त्वरित माध्यम होता है। अतः इसको ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित समाचार पत्र मंगाये जा रहे हैं :-अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान, राष्ट्रीय सहारा, जन-सत्ता, स्वतंत्र भारत, पंजाब केसरी, नवभारत टाइम्स, इकोनामिक टाइम्स, इण्डियन एक्सप्रेस, द पाइनियर, हिन्दू दी स्टेट मैन, द टाइम्स ऑफ इण्डिया।

पत्रिकाएं :- पत्रिकाओं में पाठकों के ज्ञानवर्धन एवं कम्पटीशन की तैयारी के लिए सामान्य एवं प्रतियोगी पत्रिकाएं पुस्तकालय में मंगाई जा रही हैं, जो निम्नलिखित हैं:-

चम्पक, सिविल सर्विस क्रानिकल, कम्प्यूटर संचार सूचना, कम्पीटशन सक्सेज रिव्यू, क्रिकेट सम्राट, इम्प्लाइमेंट न्यूज, फ्रन्ट लाईन, इण्डिया टुडे, कादम्बिनी, निरोगधाम, आउट लुक, प्रतियोगिता दर्पण, प्रतियोगिता किरण, रोजगार समाचार, सरिता, स्पोर्ट स्टार, विज्ञान प्रगति, योजना, साइन्स रिपोर्टर, गृहशोभा, मेरी सहेली, वनिता, समसामयिक महासागर।

अन्तर पुस्तकालय आदान-प्रदान सेवा:-

पुस्तकालय में इस सेवा के अंतर्गत अन्य पुस्तकालयों जिन्हें पुस्तकालय उचित समझता है, उनको 15 दिनों के लिए पुस्तकें निर्गत करता है। पन्द्रह दिनों की अवधि के बाद उनके प्रार्थना पत्र पर पुनः कुछ समय दे दिया जाता है। इस सेवा के अंतर्गत संदर्भ पुस्तकें, बहुखण्डीय पुस्तकें (मल्टी वाल्यूम) तथा अप्राप्त (रेयर एण्ड आउट आफ प्रिन्ट) पुस्तकें निर्गत नहीं की जाती हैं।

पुस्तकालय द्वारा लाइब्रेरी साइन्स के विद्यार्थियों हेतु कुछ विशेष योगदान:-

पुस्तकालय से सम्बन्धित पाठकों का इस पुस्तकालय में विशेष योगदान मिलता है। इस सम्बन्ध में आई0टी0 कालेज, पालिटेक्निक के पुस्तकालय विज्ञान के छात्र-छात्राओं एवं अन्य बी0एड0 के छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय विज्ञान से सम्बन्धित जानकारी दी जाती है और उनके लेखों को पूरा कराया जाता है।

पी0एच0डी0 छात्र/छात्राओं:-

पी0एच0डी0 के छात्रों को उनके विषय से सम्बन्धित पुस्तकों को प्रदान किया जाता है, जिससे वे अपना शोध कार्य पांच वर्ष की अवधि तक पूर्ण करते हैं। कुछ छात्र-छात्राओं की लिस्ट साथ में संलग्न है।

कम्प्यूटर नेट होने के कारण इसका प्रभाव पुस्तकालय पर पड़ रहा है, जिससे पाठकों की संख्या कुछ कम होती जा रही है, फिर भी पुस्तकालय में पाठकों की संख्या मासिक रूप में निम्नलिखित रही है।

1. अप्रैल 2016 में पाठकों की संख्या	—	369
2. मई 2016 में पाठकों की संख्या	—	307
3. जून 2016 में पाठकों की संख्या	—	281
4. जुलाई 2016 में पाठकों की संख्या	—	395
5. अगस्त 2016 में पाठकों की संख्या	—	432
6. सितम्बर 2016 में पाठकों की संख्या	—	591
7. अक्टूबर 2016 में पाठकों की संख्या	—	498
8. नवम्बर 2016 में पाठकों की संख्या	—	515
9. दिसम्बर 2016 में पाठकों की संख्या	—	501
10. जनवरी 2017 में पाठकों की संख्या	—	564
11. फरवरी 2017 में पाठकों की संख्या	—	604
12. मार्च 2017 में पाठकों की संख्या	—	636

9693

वर्तमान में इस पुस्तकालय के मेम्बर इंचार्ज, डा0 फिदाहुसैन आंसारी हैं। डा0 अंसारी जी के मार्गदर्शन से पुस्तकालय की ख्याति बढ़ रही है।

4-चन्द्रभानु गुप्त ग्राम विकास योजना, हथौंथा, बाराबंकी-:



भारत सेवा संस्थान, मोतीमहल, लखनऊ द्वारा बाराबंकी जनपद की सबसे बड़ी एवं अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी जाति बाहुल्य तहसील रामसनेही घाट में वर्ष 1984 में चन्द्रभानु गुप्त ग्राम विकास एवं शोध केन्द्र के रूप में स्थापित शाखा ने शनैः-शनैः जनविश्वास अर्जित करते हुए प्रशिक्षण के सात अनुभाग, जिले के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण केन्द्रों के रूप तथा एक पुस्तकालय एवं वाचनालय एवं होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी, एलोपैथिक सहित पांच शाखाएं संचालित करने में सफलता प्राप्त की है, यही नहीं संस्था के उपरोक्त सभी अनुभाग संस्था के अपने ही मनोहारी परिसर में निर्मित भवनों में हैं। डा० जे०एन०मिश्र, मेम्बर इंचार्ज के दिशा-निर्देशन एवं श्री मोहम्मद इब्राहिम, कार्याधिकारी के सहयोग से उक्त इकाई उन्नति के नये आयाम पर निरंतर अग्रसरित है।

वर्ष 2016-17 में संचालित कार्यक्रमों की उपलब्धि निम्न प्रकार रही।

i-प्रशिक्षण कार्यक्रम-:

क-सिलाई प्रशिक्षण में 199 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ख-कढ़ाई प्रशिक्षण में 148 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ग-टाइप प्रशिक्षण में 152 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

घ-कम्प्यूटर प्रशिक्षण-:

इस अनुभाग के प्रशिक्षक श्री संजय सिंह राणा हैं, इनकी शैक्षिक योग्यता एम०ए० तथा कम्प्यूटर में एम०सी०एस०ई०/ए० है इनकी नियुक्ति वर्ष 2010 में हुई है।

वर्ष 2016-17 में 119 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

इ-ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण-:

1-इस अनुभाग का कार्य श्रीमती हेमा द्विवेदी जो कि जोबेन इन्स्टीट्यूट प्रतिष्ठान अम्बाला कैन्ट से प्रशिक्षित हैं, देख रही हैं।

2-आलोच्य वर्ष में 88 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

चन्द्रभानु गुप्त ग्राम विकास योजनान्तर्गत स्वरोजगार के अनेक प्रशिक्षण जैसे-सिलाई-कढ़ाई, कटाई, जरी, कम्प्यूटर, टाईप आदि अनेक अनुभागों के साथ-साथ सार्वजनिक पुस्तकालय का भी एक ऐसा अनुभाग है, जहां पुरुषों के बजाय महिलाओं की बाहुल्यता है और लगभग 200 महिलाओं का आना-जाना रहता है, यही नहीं इसी इकाई के मुख्यालय से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर एक महिला डिग्री कालेज के अतिरिक्त अनेक महिला विद्यालय हैं।

च-फलसंरक्षण प्रशिक्षण :-

आलोच्य वर्ष में 43 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

छ-जरी प्रशिक्षण :-

आलोच्य वर्ष में 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ii-पुस्तकालय एवं वाचनालय:-

वैसे तो पुस्तकालय/वाचनालय का कार्य संस्था के प्रारम्भिक कार्यक्रमों में से एक है, वर्ष 1984 से ही गांवों में सचल पुस्तकालय के रूप में संस्था के नियुक्त कर्मचारियों (जनसेवकों) के माध्यम से बक्सों में भेजना तथा फिर गांव से ही उन्हें वापस लेने का कार्य प्रारम्भ हुआ, जो शनैः-शनैः बढ़ा और केन्द्रीय पुस्तकालय एवं वाचनालय का रूप बना, गांव के लोगों ने पुस्तकालय सदस्यता ग्रहण करना प्रारम्भ किया। जिस गांव में 25 सदस्य हो जाते हैं वहां समाचार पत्रों को भेजा जाता, यह सारा कार्य जनसेवक करते थे।

वर्ष 2006 में संस्था ने फील्ड के सारे कार्यक्रमों पर विराम लगाकर अपने नवनिर्मित हथौंधा के भवनों में प्रशिक्षण, चिकित्सा तथा पुस्तकालय का ही कार्य रखा इस समय पुस्तकालय एवं वाचनालय संस्था के भवन में ही संचालित हैं।

वर्तमान समय में :-

- 1- चन्द्रभानु गुप्त सार्वजनिक पुस्तकालय में एक प्रशिक्षित पुस्तकालयाध्यक्ष, दो पुस्तकालय सहायक तथा गांवों में पुस्तक कार्य हेतु एक महिला तथा एक पुरुष पुस्तक उपवितरण केन्द्र के लिए कर्मचारी नियुक्त हैं जो निर्धारित केन्द्रों पर निर्धारित दिवसों में पुस्तकें ले जाकर पाठक सदस्यों को देते व सप्ताह बाद वापस लाकर जमा करने का काम करते हैं।
- 2- पुस्तकालय:-पुस्तकालय में इस समय कुल 5242 पुस्तकें हैं।
- 3- सदस्यता:-पुस्तकालय सदस्य बनने के लिए जमानत के रूप में 50/-रुपये, वार्षिक शुल्क, 10/-रुपये तथा प्रवेश शुल्क 2/-रुपये कुल 62/-रुपये लिया जाता है। छात्रों के लिए चूंकि उनके छात्र होने का प्रमाणीकरण स्कूल अध्यापक करता है, इसलिए जमानत में 50 प्रतिशत छूट का प्राविधान है। आलोच्य वर्ष में सामान्य 45 सदस्य, छात्र सदस्य 14 कुल 59 सदस्य बने। इसके अलावा 315 सदस्यों का नवीनीकरण किया गया। आलोच्य वर्ष में वितरित पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की सं० 3421 रही।
- 4- शैक्षिक प्रतिष्ठानों का योगदान:- राजा राम मोहनराय कोलकाता से इस पुस्तकालय को अनुदान में 62 पुस्तकें प्राप्त हुईं।
- 5- समाचार पत्र तथा पत्रिकाओं की आमद :- पुस्तकालय में 5 दैनिक समाचार पत्र तथा 2 साप्ताहिक रोजगार, कम्प्यूटर न्यूज समाचार पत्र आते हैं।
प्रतिदिन पाठकों का औसत 25 से 30 है।

iii-जनस्वास्थ्य कार्यक्रम:-

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी, आंख अस्पताल एवं सामान्य रोगी चिकित्सा का संचालन मुख्य है, आलोच्य वर्ष में इनकी उपलब्धियाँ निम्न प्रकार रही:-

अ- होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी:-

संस्था के हथौंधा में नवनिर्मित भवन में डिस्पेन्सरी वर्ष 1984 से स्थापित है। इस वर्ष एक प्रशिक्षित होम्योपैथिक चिकित्सक डा. नमिता सिंह की नियुक्ति की गयी है। यह सप्ताह के सभी कार्य-दिवसों में खुलता है। आलोच्य वर्ष में 12172 रोगियों का परीक्षण एवं उपचार किया गया।

आ- चन्द्रभानु गुप्त आंख अस्पताल:-

नेत्र चिकित्सालय वर्ष 2006-07 से चल रहा है। नेत्र चिकित्सालय में जांच के सभी संयन्त्र तथा आंखों के आपरेशन की पूर्ण तथा समुचित व्यवस्था है। आंखों की जांच तथा आपरेशन हेतु 20 शैय्या की पूर्ण व्यवस्था है। नेत्र रोगियों का परीक्षण कर परामर्श तथा ऑपरेशन योग्य रोगियों का चयन कर आंखों का ऑपरेशन कर लेन्स डाले जाते हैं। आंख के रोगियों के ऑपरेशन के बाद उन्हें वार्ड में एक दिन रखा जाता है एवं इस अवधि में औषधि भी दी जाती है। इस सम्पूर्ण कार्य हेतु प्रति रोगी



से लिया जाता है। आलोच्य वर्ष में 17460 नेत्र रोगियों का परीक्षण एवं उनके उपचार की सलाह दी गयी तथा अस्पताल में आकर संस्था की चिकित्सा सुविधा से लाभ उठाया है। इसके अलावा 2222 नेत्र रोगियों की चश्में की जांच की गयी। 1136 आंख के आपरेशन किये गये तथा लेंस डाले गये।

आंख का आपरेशन होने के बाद रोगी को एक रात्रि अस्पताल में रोका जाता है, तथा चाय, डबलरोटी, खिचड़ी आदि की मुफ्त व्यवस्था की जाती है, रोगी को 15 दिन की दवा संस्था द्वारा मुफ्त प्रदान की जाती है।

इ- चन्द्रभानु गुप्त जनहितकारी अस्पताल-:

संस्था द्वारा वर्ष 2009 में स्थापित सामान्य चिकित्सा सेल में वर्तमान समय में महिला तथा पुरुष वर्ग की चिकित्सा हेतु दो डाक्टर, दंत तथा फिजियोथेरेपी चिकित्सा के लिए दो विशेषज्ञ क्रमशः अपने निर्धारित दिन शनिवार तथा सोमवार को आते हैं, दांतों के मरीजों की चिकित्सा में अधिक समय लगने के कारण दांतों के नाप व बनाने का कार्य शुक्रवार को किया जाता है। संस्था द्वारा रोगी पर्चा शुल्क मात्र दो रुपये प्रति मरीज है, सभी दवाएं निःशुल्क दी जाती हैं। इन अनुभागों की प्रगति निम्नवत् है।

1-सामान्य रोगी चिकित्सा हेतु-:

संस्थान द्वारा सामान्य चिकित्सा के उद्देश्य से एक चन्द्रभानु गुप्त जनहितकारी अस्पताल की दिनांक 16.06.2009 को स्थापना की गयी।

इसमें महिला तथा पुरुष चिकित्सा अधिकारी की नियुक्तियां की गई हैं। चिकित्सक मंगलवार एवं शनिवार को वहिरंग में रोगियों को देखते हैं एवं उनके व्यवस्था पत्र पर निःशुल्क औषधियां वितरित की जाती हैं। आलोच्य वर्ष में इन चिकित्सकों द्वारा 9575 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई।

i-फिजियोथेरेपी-:

क्षेत्र के सामान्य जनों को फिजियोथेरेपी पद्धति की चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु एक फिजियोथेरेपिस्ट की नियुक्ति एवं चिकित्सा हेतु आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था की गयी है। आलोच्य वर्ष में 50 रोगियों की निःशुल्क चिकित्सा की गयी तथा यहां मशीनी चिकित्सा की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

ii-दंत चिकित्सा-:

दंत चिकित्सा अनुभाग में एक दंत चिकित्सक (महिला) नियुक्त है। जिन्होंने 3803 रोगियों का उपचार किया।

स्वास्थ्य शिविर : भारत सेवा संस्थान एवं “आपना” यू0एस0ए0 के सौजन्य से इन्टीग्रेटेड मेडिसीन फॉर परफेक्ट हेल्थ विषय पर इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन दिनांक 07.11.2016 को संस्थान के माननीय अध्यक्ष जी एवं माननीय महामंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में इकाई में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें देश—विदेश के चिकित्सा विशेषज्ञों ने अपनी सराहनीय सेवा दी। शिविर में 1661 मरीजों को निःशुल्क परामर्श, दवा व जांच (T.L.c, D.L.C, HB, Blood group, UricAcid) की सुविधा दी गई।



शिक्षा के प्रचार-प्रसार में पुस्तकालयों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। पुस्तकालयों द्वारा सूचनाएं भी प्रदान की जाती हैं। इसी परिवेश में पाठकों को भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन से सम्बन्धित सूचनायें सी०वी० गुप्ता पुस्तकालय से प्रदान की जाती हैं। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बन्धित पुस्तकों एवं संदर्भ ग्रन्थों के माध्यम से भी सूचनायें प्रदान की जाती हैं।

पुस्तकालय की स्थापना 14 जुलाई 1980 में की गई। यह पुस्तकालय, वाचनालय एवं संग्रहालय संस्थान के संस्थापक श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी के निवास "सेवा कुटीर" में उनके स्वर्गवास के बाद से कार्यरत है। सेवा कुटीर भवन को गुप्त जी ने अपनी वसीयत के माध्यम से भारत सेवा संस्थान को अर्पित कर दिया है।

पुस्तकालय का उद्देश्य:-पुस्तकालय का उद्देश्य जन सामान्य एवं छात्रों में अध्ययनशीलता देश प्रेम एवं देश भक्ति भावना की ओर प्रोत्साहित करना है। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर विशेष पुस्तकालय है।

पुस्तकालय का समय :-पुस्तकालय खुलने का समय प्रातः 10:00 बजे से समय शाम 5:00 बजे तक है। पुस्तकालय का समाचार-पत्र कक्ष (प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक) तथा (षाम 5 बजे से रात्रि 7 बजे तक) खुला रहता है।

पुस्तकें :- इस पुस्तकालय में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं आंदोलन, ब्रिटिश कालीन भारतीय इतिहास, राजनीति शास्त्र तथा महान व्यक्तियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनियों आदि से सम्बन्धित पुस्तकों का संग्रह है। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी एवं प्रवेश परीक्षाओं से सम्बन्धित पुस्तकें भी अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं। वर्ष 2016-17 में 28 सामान्य पुस्तकें तथा 25 पुस्तकें प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बन्धित क्रय की गयी। इस प्रकार कुल 53 पुस्तकें क्रय की गयी। एक्सेशन रजिस्टर के अनुसार पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या निम्नवत् है :-

हिन्दी — 1643

अंग्रेजी — 3434

कुल योग **5077**

श्री सी०वी०सिंह इस पुस्तकालय के मेम्बर इंचार्ज हैं एवं इनके मार्गदर्शन में एवं पुस्तकालयाध्यक्ष श्री सैय्यद सादिक हुसैन के अनुभवों से पुस्तकालय की ख्याति दिनों-दिन बढ़ती जा रही है।

इस प्रकार पुस्तकालय में आने वाले पाठकगण एवं छात्र उपर्युक्त पुस्तकों का अध्ययन करके लाभान्वित हो रहे हैं। पुस्तकालय का उपयोग लगभग 75 व्यक्ति प्रतिदिन करते हैं।

पत्रिकायें:- पुस्तकालय में निम्नलिखित आठ पत्रिकाएं मंगाई जाती हैं जो निम्नवत् हैं:-

- 1—प्रतियोगिता दर्पण
- 2—क्रानिकल सिविल सर्विसेज
- 3—सरिता
- 4—कादम्बिनी
- 5—निरोगधाम
- 6—इण्डिया टू-डे
- 7—रोजगार समाचार
- 8—इम्पलायमेन्ट न्यूज

उपर्युक्त पत्रिकायें प्रतियोगी परीक्षाओं एवं सामान्य पाठकों के लिए उपयोगी है। इस प्रकार पुस्तकालय में आने वाले पाठक एवं छात्र इन पत्रिकाओं से लाभान्वित हो रहे हैं।

पुस्तकालय के प्रथम तल पर श्रद्धेय सी०बी० गुप्ता जी से सम्बन्धित वस्तुओं का संग्रहालय है जिसमें उनके द्वारा दैनिक प्रयोग में की गई वस्तुओं को रखा गया है। इन सभी वस्तुओं का रख-रखाव सुव्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है।

पुस्तकों के अतिरिक्त निम्नलिखित समाचार पत्र और पत्रिकायें पाठकों के लिए उपलब्ध कराई जाती हैं:-

समाचार पत्र:-

- 1—राष्ट्रीय सहारा
- 2—दैनिक जागरण
- 3—हिन्दुस्तान
- 4—अमर उजाला
- 5—जनसत्ता
- 6—टाइम्स ऑफ इण्डिया
- 7—द हिन्दू
- 8—हिन्दुस्तान टाइम्स
- 9—नवभारत टाइम्स
- 10—स्वतंत्र भारत

पाठकों की सुविधा हेतु करेन्ट एक वर्ष के समाचार पत्र तिथिवार/माहवार सुरक्षित रखे जाते हैं। पाठकगण दैनिक समाचार पत्रों एवं पूर्व समाचार पत्रों से लाभान्वित हो रहे हैं।

संग्रहालय :- पुस्तकालय के प्रथम तल पर श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी से सम्बन्धित एवं उनके द्वारा एकत्र की गयी वस्तुओं का संग्रहालय है। संग्रहालय की सफाई तथा वहां रखी हुई वस्तुओं का अनुरक्षण सुव्यवस्थित ढंग से किया जाता है।

भारत सेवा संस्थान द्वारा संचालित इस पुस्तकालय के समस्त कार्य माननीय महामंत्री जी के आदेशानुसार अच्छी तरह सम्पन्न किये जा रहे हैं।

6-सी0बी0गुप्ता होम्योपैथिक चिकित्सालय, सेवा कुटीर, पानदरीबा, लखनऊ

श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी की स्मृति में गरीबों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान करने हेतु उनके निवास जोकि “सेवाकुटीर” पानदरीबा, लखनऊ में स्थित है तथा उसमें पुस्तकालय व संग्रहालय पहले से ही स्थित है, में फरवरी 2017 में एक होम्योपैथिक चिकित्सालय का अनावरण किया गया है। इस चिकित्सालय को चलाने हेतु पहले राज्य सरकार से सेवानिवृत्त होम्योपैथिक चिकित्सक ने सेवाएं प्रदान की।

तत्पश्चात् उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से सेवाएं देने में असमर्थता व्यक्त की। परन्तु गरीबों के स्वास्थ्य हित को ध्यान में रखते हुए इस सामाजिक कार्य को गति देने हेतु डा0 प्रियंका सिंह, होम्योपैथिक चिकित्सक की नियुक्ति की गयी। जोकि वर्तमान में अपनी सेवाएं दे रही हैं। इनका कार्य सराहनीय है और अधिक से अधिक लोग इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। फरवरी व मार्च 2017 में ही करीब 500 लोगों ने इसका लाभ उठाया।



6-सी0बी0गुप्ता टी0बी0 एण्ड चेस्ट क्लीनिक



सी0बी0गुप्ता टी0बी0 एण्ड चेस्ट क्लीनिक उ0प्र0 टी0बी0 एशोसियेशन द्वारा 15 सितम्बर 1977 को स्थापित हुआ था। सी0बी0 गुप्ता क्षय तथा वक्ष रोग चिकित्सालय, पान दरीबा लखनऊ में स्थित है। इस अस्पताल का संचालन 01 अप्रैल 2009 से भारत सेवा संस्थान द्वारा किया जा रहा है।

इस चिकित्सालय में मुख्यतः क्षय तथा वक्षरोग के मरीज देखे जाते हैं। इसके अतिरिक्त सामान्य रोग से पीड़ित मरीजों को मुफ्त सेवाएं दी जाती हैं।

मरीजों का पंजीकरण मात्र दस रुपये में किया जाता है तथा नवीन पंजीकृत मरीजों को पांच रुपये में टी0बी0सील (टिकट) भी दिया जाता है। दस रुपये में किये गये पंजीकरण की मान्यता एक वर्ष तक होती है।

मरीजों की निम्नलिखित जांचें इस चिकित्सालय में की जाती हैं:—

1. एक्स-रे— बिना हानि लाभ के रु0 70 /—में किया जाता है जो मरीजों को दे दिया जाता है।
2. गरीब मरीजों को एक्स-रे मुफ्त में किया जाता है।
3. बलगम की जांच मुफ्त में की जाती है।
4. खून की सामान्य जांच
5. पेशाब की सामान्य जांच
6. मल की सामान्य जांच
7. ग्लोकोमीटर द्वारा ब्लडशूगर की जांच

उपरोक्त क्रम सं0 4,5,6,7 की जांचें मात्र रु0 20 /— में की जाती हैं।

क्षय रोग की दवा डाट्स प्रणाली के अंतर्गत मरीजों को मुफ्त अस्पताल में खिलायी जाती है। प्रारम्भ के आठ सप्ताह तक मरीजों को अस्पताल में दवा खिलायी जाती है एवं आठ सप्ताह के पश्चात् एक सप्ताह की दवा मरीजों को दे दी जाती है, जो 18 सप्ताह तक चलती है।

डाट्स प्रणाली के नियमानुसार मरीजों के बलगम की जांच मुफ्त में समय-समय पर होती रहती है। डाट्स प्रणाली के अंतर्गत मरीज की दवा प्रारम्भ करने से पहले मरीज के घर के पते का सत्यापन घर जाकर किया जाता है।

यदि मरीज दवा खाने नहीं आता है तो उसके घर जाकर उसे समझाकर दवा खाने के लिए प्रेरित करना पड़ता है ताकि मरीज लगातार नियमित रूप से दवा खाता रहे।

डाट्स प्रणाली दवाओं के साथ-साथ आवश्यकतानुसार मरीजों के खांसी बुखार ताकत एवं अन्य तकलीफों के

अनुसार दवा मुफ्त दी जाती है जो भारत सेवा संस्थान उपलब्ध कराता है। मरीज को मुंह से खून आ जाता है, तो इसके लिए सुई भी मुफ्त लगाई जाती है।

टी0बी0 के मरीजों के अतिरिक्त अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीज भी होते हैं उनको चिकित्सक द्वारा देखा जाता है तथा उनको भी अस्पताल में भारत सेवा संस्थान द्वारा उपलब्ध करायी गयी दवाएं मुफ्त में दी जाती हैं। मरीजों को स्वास्थ्य की जानकारी व जागरूकता के लिए समय-समय पर अस्पताल परिसर में कैम्प कराये जाते रहते हैं।

टी0बी0, एच0आई0वी0, एड्स आदि बीमारियों के लक्षण एवं उपचार के बारे में जागरूक करने तथा परिवार नियोजन के बारे में समझाने के लिए टी0बी0 के मरीजों का मुफ्त एवं नियमित इलाज हो इसके आस-पास के प्राइवेट चिकित्सकों व गणमान्य नागरिकों से सम्पर्क कर मरीजों को अस्पताल में भेजने के लिए प्रेरित करने के लिए कहते हैं।

डाट्स प्रणाली के अंतर्गत प्रत्येक माह की रिपोर्ट देने के साथ-साथ मरीजों को दवा खिलाई जाती है उन सबका विवरण तथा दवा वितरण के रिकार्ड जो मरीजों के कार्ड के रूप में होता है, की जांच समय-समय पर डी0टी0ओ0 के कार्यालय से कर्मचारी आकर मरीजों के डिब्बों से दवा निकाल कर देखते हैं कि कितनी दवा खिलाई गयी। जो हमेशा सही पाई जाती रही है। डी0टी0ओ0 स्वयं आकर भी जांच करते रहते हैं। दिल्ली से स्पेशल टीमें भी आती रहती हैं जो मरीजों की तथा दवा की जांच करते रहते हैं। डाट्स की दवाएं व लैब का सामान जिला क्षय रोग अधिकारी के यहां से प्रत्येक माह जाकर लाना होता है। जिला क्षय रोग अधिकारी के कार्यालय में जाकर आर0एन0टी0सी0पी0 के अंतर्गत मिलने वाले अनुदान के लिए प्रयास करते हैं। इसके लिए समय-समय पर जाना पड़ता है, अनुदान सी0बी0 गुप्ता चिकित्सालय को मिलता भी रहा है।

2-वर्ष 2016-17 में निम्नलिखित मरीजों को देखा गया-:

	रोगियों की सं०
1-कुल मरीज जिन्होंने अस्पताल में रजिस्ट्रेशन कराया(i+ii+iii)	— 22141
i-पुराने मरीज	— 20468
ii-नये मरीज जिनका रजिस्ट्रेशन हुआ	— 1260
iii-नये मरीज जिनको दूसरें संस्थान ने तथा दूसरे डॉक्टरों ने अस्पताल को रेफर किया	— 348
2-एम0एम0आर0 सम्बन्धित जांच	— 95
3-कुल एक्स-रे	— 502
4-बलगम जांच	— 3341
5-खून जांच	—
i-TLC	— 942
ii-DLC	— 942
iii-HB	— 900
6-मूत्र आदि की जांच	435

Report of C.B Gupta Clinic for DOT's Microscopy Centre of (C.B.Gupta T.B. Clinic & Chest diseases) from 01-04-15 to 31-03-17

New Pts. Put Under Treatment (Dot's) (Cat I+Cat II)	139
CAT-I 127, CAT-II 11	
Dots, Pts. Cured+Completed Treatment.	120
CAT I- 112 CAT II- 14 DIED-1	

04, जून 2004 से 31.03.17 तक डॉट्स के सम्बन्ध में विवरण निम्न प्रकार हैं-:

1-Total No. of PTs put under test	=1767
2-Total No. of Pts Cured and Completed treatment	=1672
3-Total No. PTs Diagnosed and Referred to other Distt. and nearest DOT,s Centres	=1455

8-छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र सार्वजनिक पुस्तकालय, बख्शी का तालाब, लखनऊ



भारत सेवा संस्थान, मोतीमहल, लखनऊ द्वारा संचालित मा० भगवती सिंह जी (पूर्व सांसद एवं अध्यक्ष भारत सेवा संस्थान) के लोक हित संकल्प के रूप में छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र सार्वजनिक पुस्तकालय, बख्शी का तालाब, इण्टर कालेज, लखनऊ में स्थापित किया जाना इस क्षेत्र के लिए वरदान है।

पुस्तकालय का नामकरण समाजवाद के विष्वस्तरीय विचारक एवं सामाजिक चिन्तक “छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र सार्वजनिक पुस्तकालय” के नाम से किया गया।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्घाटन एवं लोकार्पण श्री अखिलेश यादव जी, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 05 अगस्त, 2012 को किया गया।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र सार्वजनिक पुस्तकालय का निरीक्षण माननीय श्री मुलायम सिंह यादव जी, पूर्व मुख्यमंत्री, उ०प्र० के द्वारा दिनांक 24 फरवरी, 2012 को किया गया।

सुसज्जित एवं विशाल भवन में स्थित सार्वजनिक पुस्तकालय इस क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक वर्ग के व्यक्तियों के लिए निर्बाध रूप से खुला रहता है। इस पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों व समाचार-पत्रों एवं पत्रिकाओं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों का ज्ञानार्जन हेतु उपयोग किया कर सकते हैं।

इस पुस्तकालय में नवीन उच्च स्तर का फर्नीचर, रोशनी के लिए पर्याप्त विद्युत व्यवस्था, हवा के लिए अति व्यवस्थित पंखे एवं कूलर की व्यवस्था है। पाठकों के लिए रीडिंग चेयर के अतिरिक्त वेटिंग चेयर तथा शीतल जल के लिए वाटरकूलर व शौचालय की स्वच्छ एवं उत्तम व्यवस्था है। वर्ष 2017 में पुस्तकालय भवन से लगा एक 10 ग 50 का हाल समाचार-पत्र स्टैंड वेटिंग चेयर, शीतल जल की मशीन आदि के लिए बनाया गया है। पुस्तकालय प्रातः 10:00 से सांय 5:00 बजे तक खुलता है एवं रविवार तथा संस्थान द्वारा स्वीकृत संस्थापत्रित अवकाश में पुस्तकालय बंद रहता है।

1.पुस्तकालय की सदस्यता :-पुस्तकालय में निम्नलिखित दो प्रकार की सदस्यता उपलब्ध है :-

	<u>सदस्यता शुल्क (वार्षिक)</u>	<u>प्रतिभूति (आजीवन)</u>
अ-विद्यार्थी सदस्यता	25.00	100.00
ब-सामान्य सदस्यता	50.00	100.00

2. पुस्तक संग्रह :- पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की 5065 पुस्तकें उपलब्ध हैं, जिनमें सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की उच्चस्तरीय पुस्तकें भी सम्मिलित हैं, जो विभिन्न प्रकार की नौकरियों तथा शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिए उपयोगी हैं। जिनका भाषावार विवरण निम्नलिखित है :-

हिन्दी भाषा	4271
अंग्रेजी भाषा	721
उर्दू भाषा	073
योग	5065

3. पुस्तकालय में आने वाले समाचार पत्र:-

पुस्तकों की अपेक्षा समाचार-पत्रों से शीघ्र एवं सामयिक ज्ञान प्राप्त होता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय में नियमित रूप से 13 हिन्दी व अंग्रेजी के समाचार-पत्र पाठकों को उपलब्ध कराये जाते हैं। इसके अतिरिक्त गत एक वर्ष तक सभी 13 समाचार पत्र तिथिवार, माहवार सुरक्षित रखे जाते हैं।

1. दैनिक जागरण
2. हिन्दुस्तान
3. अमर उजाला
4. राष्ट्रीय सहारा
5. नवभारत टाइम्स
6. स्वतंत्र भारत
- 7- The Times of India
- 8- The Hindu
- 9- Business Standard
- 10- Hindustan Times
- 11- The Economics Times
- 12- The Pioneer
- 13- The Indian Express

4. पुस्तकालय में आने वाली पत्रिकाएं :-

पुस्तकालय में नियमित रूप से 14 पत्रिकायें आती हैं। इन पत्रिकाओं की संख्या 20 करना प्रस्तावित है।

1. इंडिया टुडे
2. प्रतियोगिता दर्पण
3. अखण्ड ज्योति
4. कम्प्यूटर संचार सूचना
5. क्रिकेट सम्राट
6. विज्ञान प्रगति
7. अरिहन्त समसामयिकी महासागर
8. बैंकिंग एंजल यू
9. अरिहन्त करन्ट अफेयर्स
10. अरिहन्त समसामयिकी
11. आउटलुक
12. क्रॉनिकल
13. कुरुक्षेत्र
14. रोजगार समाचार
- 15- Empliment News

5. इंटरनेट, फोटोकापी, स्कैनिंग की व्यवस्था :-

पाठकों के लिए पुस्तकालय में इंटरनेट, फोटोकापी तथा स्कैनिंग की व्यवस्था उपलब्ध है। इंटरनेट की सुविधा फिलहाल सीमित रूप में उपलब्ध है, निकट भविष्य में यह सुविधा अधिकाधिक पाठकों को उपलब्ध कराना प्रस्तावित है।

6. पुस्तकालय में पाठकों की संख्या:-

पुस्तकालय में कुल पाठकों की सदस्यता संख्या 1566 है।



7—पुस्तकालय में प्रतिदिन आने वाले पाठकों की संख्या :

पुस्तकालय में आने वाले पाठकों की संख्या 150 से 200 रहती है।

8. पुस्तकालय के अन्य कार्य :-

पुस्तकालय कार्य के अतिरिक्त अपने पाठकों तथा क्षेत्र में रहने वाले अन्य लोगों को विभिन्न स्तर की नौकरियों व शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश लेने की पूर्ण सूचनाएँ तथा इससे सम्बन्धित पाठ्य सामग्री उपलब्ध करायी जाती है। इस कार्य से पुस्तकालय की लोकप्रियता बढ़ रही है।

अतिशीघ्र पुस्तकालय में एक विशाल कम्पटीशन जोन खोलने के लिए प्रयासरत् है। पुस्तकों, समाचार पत्रों, प्रतियोगात्मक पत्रिकाओं के साथ-साथ इलेक्ट्रानिक सामग्री तथा इंटरनेट के माध्यम से सदस्यों को सहायता प्रदान करने की व्यवस्था होगी।

पुस्तकालय से सभी वर्ग के लोग निम्नलिखित सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं:-

1. 13 समाचार पत्र, 11 पत्रिकाएँ, रोजगार समाचार सहित उपलब्ध हैं।
2. अनेकों प्रतियोगिताओं की पुस्तकें उपलब्ध हैं।
3. शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश परीक्षा से सम्बन्धित पुस्तकें उपलब्ध हैं।
4. कृषि विज्ञान तथा अन्य सभी विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं।
5. उपन्यास, कहानी, धार्मिक पुस्तकें तथा अनेकों शिक्षाप्रद पुस्तकें उपलब्ध हैं।
6. बच्चों के लिए बाल साहित्य उपलब्ध है।
7. पुस्तकालय में इंटरनेट की सीमित सुविधा उपलब्ध है।
8. पाठकों के लिए कूलर, शीतल जल, सुव्यवस्थित प्रसाधन भी उपलब्ध है।
9. छात्रों के लिए रु० 25.00 तथा सामान्य सदस्यता के लिए रु० 50.00 वार्षिक है।
10. पुस्तकालय खुलने का समय प्रातः 10:00 से सांय 5:00 बजे तक।
11. रविवार तथा भारत सेवा संस्थान द्वारा स्वीकृत राजपत्रित अवकाश में पुस्तकालय बन्द रहेगा।

8- सी0बी0गुप्ता बी0एस0एस0 महाविद्यालय, चन्द्रावल, लखनऊ



सी0बी0 गुप्ता बी0एस0एस0 महाविद्यालय, चन्द्रावल, लखनऊ की बिल्डिंग बनकर तैयार हो गयी है तथा लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्धता हेतु आवेदन किया गया था। जिसकी अनापत्ति प्रमाण पत्र कुलसचिव लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्र सं0 AF-47004/noc/सम्बद्धता/2017 दिनांक 04.09.2017 के द्वारा प्राप्त हो गयी है तथा लखनऊ विश्वविद्यालय को पैनल गठन हेतु निर्धारित शुल्क के साथ दिनांक 06.10.2017 को पत्र लिखा जा चुका है। पैनल के द्वारा निरीक्षण के पश्चात् आगे की कार्यवाही अपेक्षित है।

9 (अ) अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी

भारत सेवा संस्थान द्वारा 19वीं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी “इन्टीग्रेशन मेडिसिन फॉर परफेक्ट हेल्थ ” का आयोजन दिनांक 04 से 06 नवम्बर 2016 तक सफलतापूर्वक किया गया जिसमें देश-विदेश के करीब 500 विशेषज्ञों/चिकित्सकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में भारत साउथ अफ्रीका, अमेरिका, बांग्लादेश, नेपाल, मलेशिया, ब्रिटेन आदि अनेक देशों के प्रतिष्ठित चिकित्सकों ने भाग लेते हुए आयुर्वेद, एलोपैथ, होम्योपैथ, यूनानी, योगा आदि विषयों पर अपने विचार प्रकट कर संगोष्ठी को सफल बनाते हुए भारत सेवा संस्थान का नाम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लाने में सहयोग प्रदान किया।



अन्य समाजसेवी कार्य

- श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी की जन्मतिथि व पुण्यतिथि पर कुष्ठाश्रम में रहने वाले व्यक्तियों को भोजन व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।
- उत्तराखण्ड बाढ़ से ग्रसित लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है ।
- कैंसर रिसर्च इंस्टीट्यूट, पूणे Interactive Research School for Health Affairs (IRSHA) को अनुसंधान में सहयोग हेतु रु0 3 लाख की आर्थिक सहायता की अंतिम किश्त रु0 75,000 /—को भी जारी कर दिया गया है ।
- ग्रामीण संगोष्ठी का आयोजन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम ।
- कश्मीर के बाढ़ ग्रस्त इलाकों से आये लोगों की आर्थिक सहायता ।
- आचार्य नरेन्द्र देव की जन्मतिथि व पुण्यतिथि को हर्षोल्लास से मनाया गया, जिसमें महामहिम राज्यपाल व माननीय मुख्यमंत्री, उ0प्र0 भी उपस्थित थे ।
- अपना घर बाल एवं महिला उत्थान समिति , बद्रीपुर, जोगीवाला देहरादून को रु0 80,000 /—(रुपये अस्सी हजार मात्र) बैंक ड्राफ्ट सं0 028218 दिनांक 15.10.2016 के माध्यम से आश्रम में टीनशेड बनवाने हेतु दिया गया ।
- डा0 जवाहरलाल रोहतगी स्मारक नेत्र चिकित्सालय कानपुर को रुपये दो लाख अनुदान दिनांक 28.03.2017 को दिया गया ।
- जवाहरलाल रोहतगी स्मारक नेत्र चिकित्सालय कानपुर द्वारा श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त की स्मृति में किये गये निःशुल्क ऑपरेशन हेतु रु0 दो लाख दिनांक 28.03.2017 को दिया गया ।
- कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालय पसना इलाहाबाद को रु0 5000 /—का अनुदान डी0डी0सं0 280356 दिनांक 01.02.2017 को दिया गया ।



संस्थापक मा० श्री चन्द्रभानु गुप्त जी का जन्मदिवस समारोह (14 जुलाई, 2016):-

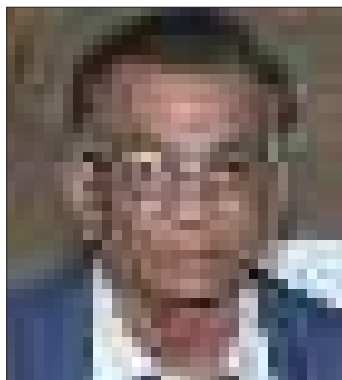
प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 जुलाई, 2016 को प्रातः मोतीमहल स्थित उनकी समाधि स्थल पर हवन, पूजन व पुष्पांजलि अर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। तदोपरांत चन्द्रभानु गुप्त स्मारक नवचेतना केन्द्र तथा रवीन्द्रालय स्थित उनकी मूर्तियों पर माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उनके निवास स्थान सेवाकुटीर में भी उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मदर टरेसा की चेरीटेबल संस्था जो मोहनलालगंज लखनऊ में स्थित है वहां पर 300 कुष्ठ रोगियों के लिए भण्डारा कराया गया।

सायंकाल चारबाग, लखनऊ स्थित रवीन्द्रालय में मुख्य जन्मदिवस समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्री माता प्रसाद जी, पूर्व राज्यपाल थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मा० श्री भगवती सिंह, अध्यक्ष भारत सेवा संस्थान ने की।

पुण्य तिथि:-

11 मार्च, 2017 को भारत सेवा संस्थान और मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में मा० श्री चन्द्रभानु गुप्त जी की पुण्य तिथि पर पूर्ववत् विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। मदर टरेसा की चेरीटेबल संस्था जो मोहनलालगंज लखनऊ में स्थित है वहां पर 200 कुष्ठ रोगियों के लिए भण्डारा कराया गया। इसके अलावा स्व० चन्द्रभानु गुप्त के निवास स्थान पानदरीबा की कोठी पर भी 100 लोगों का भण्डारा कराया गया। दोनों स्थानों पर लगभग 300 लोगों ने भण्डारा किया।

आभार ज्ञापन



मैं भारत सेवा संस्थान की प्रशासन परिषद के सभी सदस्यों, और विशेषकर अध्यक्ष मा० श्री भगवती सिंह, उपाध्यक्ष डा० दारुजी गुप्त एवं कोषाध्यक्ष डा० अशोक बाजपेयी, का आभारी हूँ, जिनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से ही संस्थान के विभिन्न समाजसेवी कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सके हैं। मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी के उन पदाधिकारियों एवं वर्तमान सदस्य, अंतरिम समिति के प्रति भी मैं आभार व्यक्त करता हूँ, जिनका यथोचित सहयोग मुझे समय-समय पर कार्य सम्पादन में मिलता रहा है।

2016-17 के अंकक्षित लेखे संलग्न है।



(डा० जे०एन०मिश्र)
अवैतनिक महामंत्री

1. The Committee is also concerned at the absence of measures to ensure that the law does not allow the recruitment of children into the armed forces. It is also concerned that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces, and that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces. The Committee is also concerned that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces, and that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces. The Committee is also concerned that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces, and that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces.

where the recruitment of children into the armed forces is prohibited, and that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces.

2. The Committee is also concerned that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces, and that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces. The Committee is also concerned that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces, and that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces. The Committee is also concerned that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces, and that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces.

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

Article 38

3. The Committee is also concerned that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces, and that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces. The Committee is also concerned that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces, and that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces. The Committee is also concerned that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces, and that the law does not provide for the recruitment of children into the armed forces.

Article 38



10. **Representations of the same function.** The function $f(x)$ may admit two or more representations as a polynomial. For example, the function $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ can be represented as a polynomial in two different ways, as follows:
 $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ or $f(x) = 2(x^2 + 1.5x) - 1$.
11. **Two or more different representations of the same function.** A function may admit two or more different representations as a polynomial. For example, the function $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ can be represented as a polynomial in two different ways, as follows:
 $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ or $f(x) = 2(x^2 + 1.5x) - 1$.
12. **Two or more different representations of the same function.** A function may admit two or more different representations as a polynomial. For example, the function $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ can be represented as a polynomial in two different ways, as follows:
 $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ or $f(x) = 2(x^2 + 1.5x) - 1$.
13. **Two or more different representations of the same function.** A function may admit two or more different representations as a polynomial. For example, the function $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ can be represented as a polynomial in two different ways, as follows:
 $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ or $f(x) = 2(x^2 + 1.5x) - 1$.
14. **Two or more different representations of the same function.** A function may admit two or more different representations as a polynomial. For example, the function $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ can be represented as a polynomial in two different ways, as follows:
 $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ or $f(x) = 2(x^2 + 1.5x) - 1$.

15. **Two or more different representations of the same function.** A function may admit two or more different representations as a polynomial. For example, the function $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ can be represented as a polynomial in two different ways, as follows:
 $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ or $f(x) = 2(x^2 + 1.5x) - 1$.

16. **Two or more different representations of the same function.** A function may admit two or more different representations as a polynomial. For example, the function $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ can be represented as a polynomial in two different ways, as follows:
 $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ or $f(x) = 2(x^2 + 1.5x) - 1$.



17. **Two or more different representations of the same function.** A function may admit two or more different representations as a polynomial. For example, the function $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ can be represented as a polynomial in two different ways, as follows:
 $f(x) = 2x^2 + 3x - 1$ or $f(x) = 2(x^2 + 1.5x) - 1$.

STANDARD FORM CONTRACT, AGREEMENT
FOR THE SALE OF GOODS
UNIFORM
1990

THIS CONTRACT MAY BE MADE WITH OR WITHOUT WRITING, AND MAY BE MADE BY ANY MEANS.

It is hereby agreed that the goods described in this contract shall be delivered to the buyer in conformity with the terms and conditions set forth herein.

1. **The goods shall be delivered to the buyer in conformity with the terms and conditions set forth herein.**
2. **The goods shall be delivered to the buyer in conformity with the terms and conditions set forth herein.**
3. **The goods shall be delivered to the buyer in conformity with the terms and conditions set forth herein.**
4. **The goods shall be delivered to the buyer in conformity with the terms and conditions set forth herein.**
5. **The goods shall be delivered to the buyer in conformity with the terms and conditions set forth herein.**
6. **The goods shall be delivered to the buyer in conformity with the terms and conditions set forth herein.**
7. **The goods shall be delivered to the buyer in conformity with the terms and conditions set forth herein.**
8. **The goods shall be delivered to the buyer in conformity with the terms and conditions set forth herein.**



and the other two students in the class. If the
 student who was not in the class was not
 present, the student who was not present was not
 present. The student who was not present was not
 present.

1. The student who was not present was not present.
 The student who was not present was not present.
 The student who was not present was not present.

2. The student who was not present was not present.
 The student who was not present was not present.
 The student who was not present was not present.

3. The student who was not present was not present.
 The student who was not present was not present.
 The student who was not present was not present.

4. The student who was not present was not present.
 The student who was not present was not present.
 The student who was not present was not present.



18. **ANALYZING THE QUALITY OF THE REASONING IN AN ARGUMENT**
 (Answer: 100%) (Time: 15-20 minutes)

1. **Which one of the following is a flaw in the reasoning of the argument?** (100%)
 The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing. This is not necessarily true, as the number of people who are employed in the service industry is decreasing. The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing.
2. **Which one of the following is a flaw in the reasoning of the argument?** (100%)
 The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing. This is not necessarily true, as the number of people who are employed in the service industry is decreasing. The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing.
3. **Which one of the following is a flaw in the reasoning of the argument?** (100%)
 The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing. This is not necessarily true, as the number of people who are employed in the service industry is decreasing. The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing.
4. **Which one of the following is a flaw in the reasoning of the argument?** (100%)
 The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing. This is not necessarily true, as the number of people who are employed in the service industry is decreasing. The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing.
5. **Which one of the following is a flaw in the reasoning of the argument?** (100%)
 The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing. This is not necessarily true, as the number of people who are employed in the service industry is decreasing. The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing.
6. **Which one of the following is a flaw in the reasoning of the argument?** (100%)
 The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing. This is not necessarily true, as the number of people who are employed in the service industry is decreasing. The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing.
7. **Which one of the following is a flaw in the reasoning of the argument?** (100%)
 The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing. This is not necessarily true, as the number of people who are employed in the service industry is decreasing. The argument is flawed because it is based on the faulty assumption that the number of people who are employed in the service industry is increasing.



B. Additional information (optional)

Any information that is not required for the purpose of the project, but that is relevant to the project, should be included in this section. This section is not a part of the project.

1. Title 2. Author(s) 3. Date	4. Abstract 5. Introduction 6. Methodology 7. Results 8. Discussion 9. Conclusion	10. References 11. Appendix 12. Bibliography	13. Additional information 14. Additional information 15. Additional information	16. Additional information 17. Additional information 18. Additional information 19. Additional information 20. Additional information
-------------------------------------	--	--	--	--

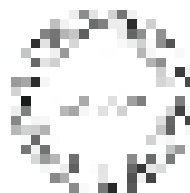

 Signature of the author


 Signature of the reviewer


 Signature of the editor


 Signature of the publisher

Any information that is not required for the purpose of the project, but that is relevant to the project, should be included in this section. This section is not a part of the project.



For the author(s)
 Date: 10/10/2020



Received from the
 1. Name of the author(s)
 2. Address of the author(s)
 3. City of the author(s)
 4. State of the author(s)
 5. Country of the author(s)

11/11/2019 11:11:11 AM

Abstract

- 1. The author states "My dream is to become a doctor. There are many reasons for this including my love for science, my desire to help people, and my family's influence."
 - A. The author wants to become a doctor because they love science.
 - B. The author wants to become a doctor because they want to help people.
 - C. The author wants to become a doctor because their family encouraged them.
 - D. The author wants to become a doctor because they are good at science.
- 2. The author describes their dream job as "exciting and challenging, with many opportunities for growth and learning."
 - A. The author describes their dream job as exciting and challenging.
 - B. The author describes their dream job as a good way to learn.
 - C. The author describes their dream job as a way to grow.
 - D. The author describes their dream job as a way to learn and grow.
- 3. The author mentions that they have already started taking steps towards their dream.
 - A. The author mentions that they have already started taking steps towards their dream.
 - B. The author mentions that they have already started taking steps towards their dream.
 - C. The author mentions that they have already started taking steps towards their dream.
 - D. The author mentions that they have already started taking steps towards their dream.
- 4. The author concludes by stating that they are committed to pursuing their dream.
 - A. The author concludes by stating that they are committed to pursuing their dream.
 - B. The author concludes by stating that they are committed to pursuing their dream.
 - C. The author concludes by stating that they are committed to pursuing their dream.
 - D. The author concludes by stating that they are committed to pursuing their dream.



QUESTION 1
What is the purpose of the following text?
Explain your answer.

Text 1

Text 1 is a short paragraph. It is about the importance of the environment. It is written in a simple and clear way. It is easy to read and understand. It is a good example of how to write a short paragraph.

- | Answer | Mark |
|--|------|
| The purpose of the text is to inform the reader about the importance of the environment. | 1 |
| The purpose of the text is to persuade the reader to protect the environment. | 1 |
| The purpose of the text is to entertain the reader. | 1 |
| The purpose of the text is to describe the environment. | 1 |



1000. While working on a new machine, a worker reported the machine failed to start after 1000. When the worker tried to start the machine, it stopped after 1000. The worker said the machine had been working fine.

1001. The worker reported the machine failed to start after 1000. The worker said the machine had been working fine.

1002. The worker reported the machine failed to start after 1000. The worker said the machine had been working fine.

1003. The worker reported the machine failed to start after 1000. The worker said the machine had been working fine.

1004. The worker reported the machine failed to start after 1000. The worker said the machine had been working fine.

1005. The worker reported the machine failed to start after 1000. The worker said the machine had been working fine.

1006. The worker reported the machine failed to start after 1000. The worker said the machine had been working fine.



1007. The worker reported the machine failed to start after 1000. The worker said the machine had been working fine.

1008. The worker reported the machine failed to start after 1000. The worker said the machine had been working fine.

2000年12月20日
 星期五
 晴

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

A 2x2 grid of grayscale images showing different stages of a handwritten digit '4'. The images are arranged in two rows and two columns, with each image showing a different stage of the digit's formation or a different perspective.



Abstract

Abstract

1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered. This involves understanding the context and the specific requirements of the task.

Abstract



1000

100

THE UNIVERSITY OF CHICAGO PRESS

THE UNIVERSITY OF CHICAGO

Abstract

Figure 1

1000

Figure 1

100



... the second number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the first number of the number of the ...

... the second number of the number of the ...



... the first number of the number of the ...

[illegible]

Frequency	18-24 (%)	25-34 (%)	35-44 (%)
Never	5	10	15
Rarely	15	20	25
Sometimes	30	35	40
Often	40	45	50
Always	10	10	10

T



1000

The following table shows the results of the regression analysis for the dependent variable "Number of children in the household" (N = 1,000). The independent variables are "Age of the head of household" and "Gender of the head of household". The results are presented in the following table:

1. *Journal of Management Studies*, 1997, 34, 1, 1-14.

	ಕರ್ನಾಟಕ ಸರ್ಕಾರ ಆರೋಗ್ಯ ಮತ್ತು ಕುಟುಂಬ ಕಲ್ಯಾಣ ಇಲಾಖೆ ಬೆಂಗಳೂರು	ಜಿಲ್ಲಾ ಆರೋಗ್ಯ ಮತ್ತು ಕುಟುಂಬ ಕಲ್ಯಾಣ ಅಧೀಕ್ಷಕರು ಜಿಲ್ಲಾ ಆರೋಗ್ಯ ಮತ್ತು ಕುಟುಂಬ ಕಲ್ಯಾಣ ಕಛೇರಿ ಬೆಂಗಳೂರು	ಜಿಲ್ಲಾ ಆರೋಗ್ಯ ಮತ್ತು ಕುಟುಂಬ ಕಲ್ಯಾಣ ಅಧೀಕ್ಷಕರು ಜಿಲ್ಲಾ ಆರೋಗ್ಯ ಮತ್ತು ಕುಟುಂಬ ಕಲ್ಯಾಣ ಕಛೇರಿ ಬೆಂಗಳೂರು
--	--	--	--

g) $\frac{1}{2} \ln 2$ oder $\frac{1}{2} \ln 3$ oder $\frac{1}{2} \ln 4$ oder $\frac{1}{2} \ln 5$ oder $\frac{1}{2} \ln 6$

h) $\frac{1}{2} \ln 2$ oder $\frac{1}{2} \ln 3$ oder $\frac{1}{2} \ln 4$ oder $\frac{1}{2} \ln 5$ oder $\frac{1}{2} \ln 6$

i) $\frac{1}{2} \ln 2$ oder $\frac{1}{2} \ln 3$ oder $\frac{1}{2} \ln 4$ oder $\frac{1}{2} \ln 5$ oder $\frac{1}{2} \ln 6$

Antwort: e)

j) $\frac{1}{2} \ln 2$ oder $\frac{1}{2} \ln 3$ oder $\frac{1}{2} \ln 4$ oder $\frac{1}{2} \ln 5$ oder $\frac{1}{2} \ln 6$

k) $\frac{1}{2} \ln 2$ oder $\frac{1}{2} \ln 3$ oder $\frac{1}{2} \ln 4$ oder $\frac{1}{2} \ln 5$ oder $\frac{1}{2} \ln 6$

Antwort: e)

l) $\frac{1}{2} \ln 2$ oder $\frac{1}{2} \ln 3$ oder $\frac{1}{2} \ln 4$ oder $\frac{1}{2} \ln 5$ oder $\frac{1}{2} \ln 6$

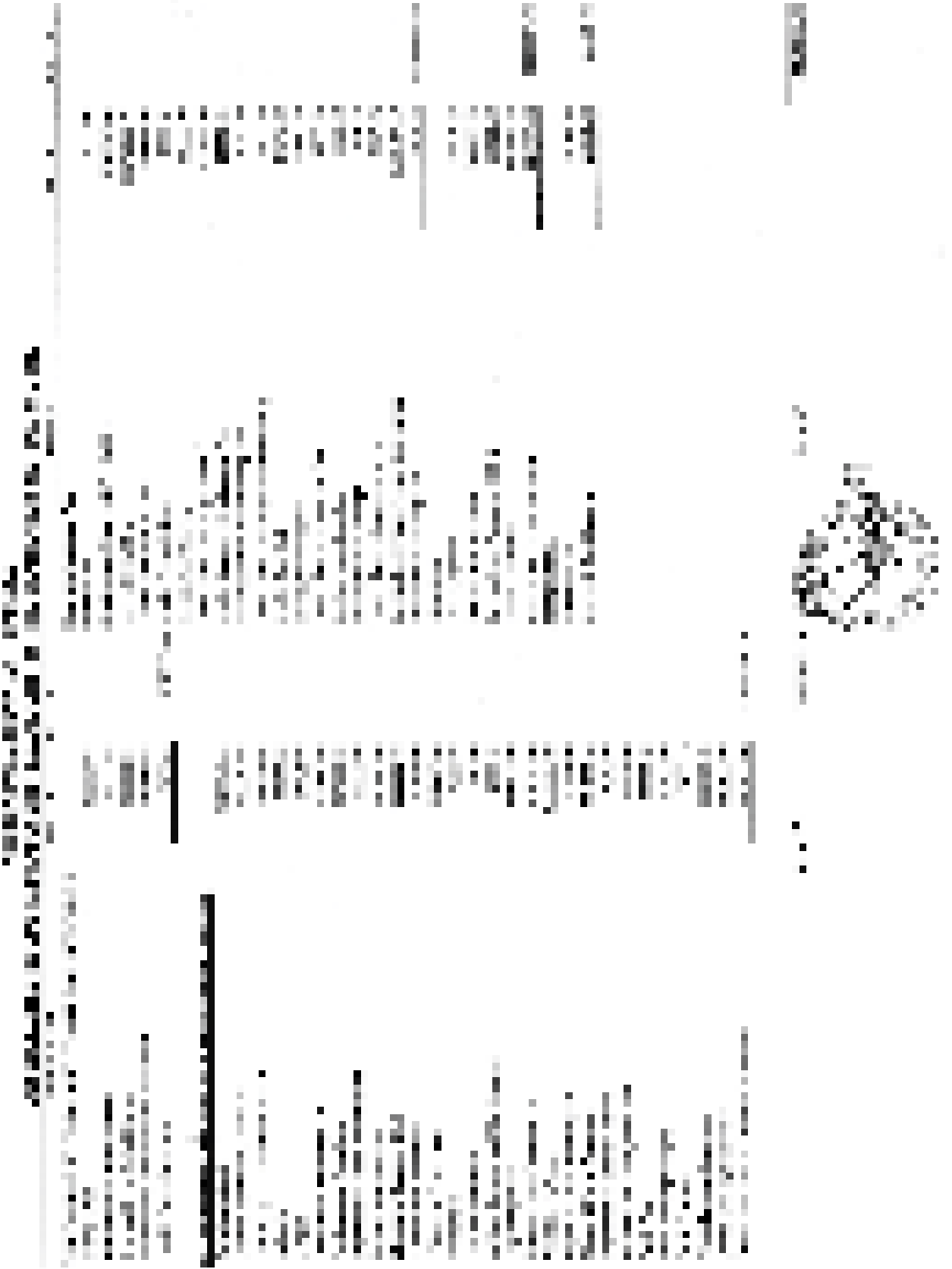
m) $\frac{1}{2} \ln 2$ oder $\frac{1}{2} \ln 3$ oder $\frac{1}{2} \ln 4$ oder $\frac{1}{2} \ln 5$ oder $\frac{1}{2} \ln 6$

Antwort: e)



Bitte nicht vergessen,
das Ergebnis einzutragen!

Bitte nicht vergessen,
das Ergebnis einzutragen!





2010 2011 2012 2013 2014 2015 2016 2017 2018 2019 2020 2021 2022 2023 2024 2025 2026 2027 2028 2029 2030

Introduction

100

18

Figure 1 consists of two 3D bar charts. The left chart is labeled '1970s' and the right chart is labeled '1980s'. Both charts have 'Number of children' on the x-axis (1, 2, 3) and 'Percentage of women' on the y-axis (0, 10, 20, 30, 40, 50). The z-axis represents the percentage of women for each category. In the 1970s chart, the bars for 1 and 2 children are approximately 15% and 35% high, respectively, while the bar for 3 children is approximately 10% high. In the 1980s chart, the bars for 1 and 2 children are approximately 10% and 30% high, respectively, while the bar for 3 children is approximately 5% high.



1999

100

1
2
3
4
5
6
7
8
9
10
11
12
13
14
15
16
17
18
19
20
21
22
23
24
25
26
27
28
29
30
31
32
33
34
35
36
37
38
39
40
41
42
43
44
45
46
47
48
49
50
51
52
53
54
55
56
57
58
59
60
61
62
63
64
65
66
67
68
69
70
71
72
73
74
75
76
77
78
79
80
81
82
83
84
85
86
87
88
89
90
91
92
93
94
95
96
97
98
99
100
101
102
103
104
105
106
107
108
109
110
111
112
113
114
115
116
117
118
119
120
121
122
123
124
125
126
127
128
129
130
131
132
133
134
135
136
137
138
139
140
141
142
143
144
145
146
147
148
149
150
151
152
153
154
155
156
157
158
159
160
161
162
163
164
165
166
167
168
169
170
171
172
173
174
175
176
177
178
179
180
181
182
183
184
185
186
187
188
189
190
191
192
193
194
195
196
197
198
199
200
201
202
203
204
205
206
207
208
209
210
211
212
213
214
215
216
217
218
219
220
221
222
223
224
225
226
227
228
229
230
231
232
233
234
235
236
237
238
239
240
241
242
243
244
245
246
247
248
249
250
251
252
253
254
255
256
257
258
259
260
261
262
263
264
265
266
267
268
269
270
271
272
273
274
275
276
277
278
279
280
281
282
283
284
285
286
287
288
289
290
291
292
293
294
295
296
297
298
299
300
301
302
303
304
305
306
307
308
309
310
311
312
313
314
315
316
317
318
319
320
321
322
323
324
325
326
327
328
329
330
331
332
333
334
335
336
337
338
339
340
341
342
343
344
345
346
347
348
349
350
351
352
353
354
355
356
357
358
359
360
361
362
363
364
365
366
367
368
369
370
371
372
373
374
375
376
377
378
379
380
381
382
383
384
385
386
387
388
389
390
391
392
393
394
395
396
397
398
399
400
401
402
403
404
405
406
407
408
409
410
411
412
413
414
415
416
417
418
419
420
421
422
423
424
425
426
427
428
429
430
431
432
433
434
435
436
437
438
439
440
441
442
443
444
445
446
447
448
449
450
451
452
453
454
455
456
457
458
459
460
461
462
463
464
465
466
467
468
469
470
471
472
473
474
475
476
477
478
479
480
481
482
483
484
485
486
487
488
489
490
491
492
493
494
495
496
497
498
499
500
501
502
503
504
505
506
507
508
509
510
511
512
513
514
515
516
517
518
519
520
521
522
523
524
525
526
527
528
529
530
531
532
533
534
535
536
537
538
539
540
541
542
543
544
545
546
547
548
549
550
551
552
553
554
555
556
557
558
559
560
561
562
563
564
565
566
567
568
569
570
571
572
573
574
575
576
577
578
579
580
581
582
583
584
585
586
587
588
589
590
591
592
593
594
595
596
597
598
599
600
601
602
603
604
605
606
607
608
609
610
611
612
613
614
615
616
617
618
619
620
621
622
623
624
625
626
627
628
629
630
631
632
633
634
635
636
637
638
639
640
641
642
643
644
645
646
647
648
649
650
651
652
653
654
655
656
657
658
659
660
661
662
663
664
665
666
667
668
669
670
671
672
673
674
675
676
677
678
679
680
681
682
683
684
685
686
687
688
689
690
691
692
693
694
695
696
697
698
699
700
701
702
703
704
705
706
707
708
709
710
711
712
713
714
715
716
717
718
719
720
721
722
723
724
725
726
727
728
729
730
731
732
733
734
735
736
737
738
739
740
741
742
743
744
745
746
747
748
749
750
751
752
753
754
755
756
757
758
759
760
761
762
763
764
765
766
767
768
769
770
771
772
773
774
775
776
777
778
779
780
781
782
783
784
785
786
787
788
789
790
791
792
793
794
795
796
797
798
799
800
801
802
803
804
805
806
807
808
809
810
811
812
813
814
815
816
817
818
819
820
821
822
823
824
825
826
827
828
829
830
831
832
833
834
835
836
837
838
839
840
84

23

100

10

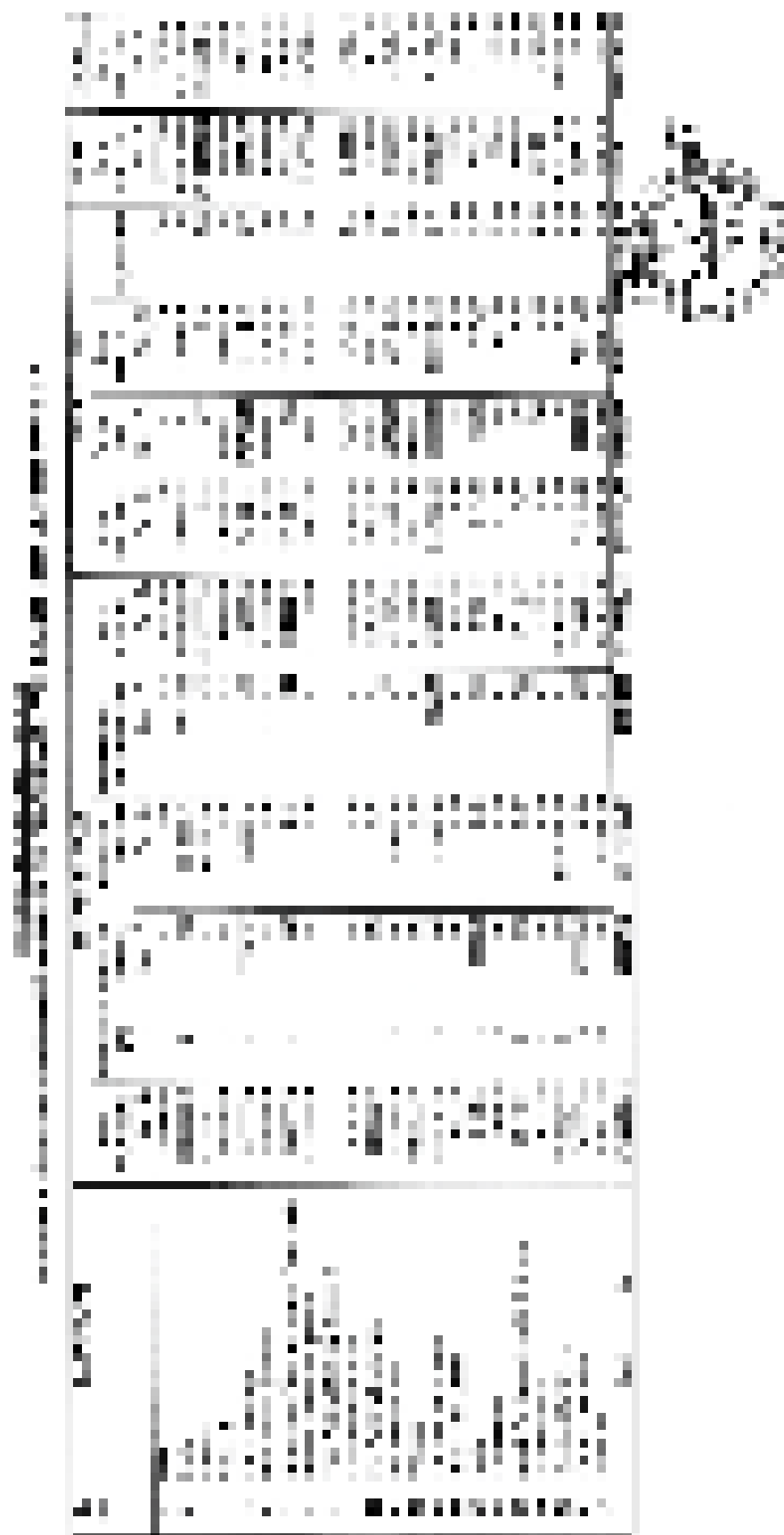
100

Abstract



Age Group	Not at all	Somewhat	A fair amount	A great deal	Don't know
18-24	10%	15%	25%	35%	15%
25-34	10%	15%	25%	40%	10%
35-44	10%	15%	25%	35%	15%
45-54	10%	15%	25%	35%	15%
55-64	10%	15%	25%	35%	15%
65+	10%	15%	25%	35%	15%

Sl. No.	Sl. No.	Sl. No.
1	1	1
2	2	2
3	3	3
4	4	4
5	5	5
6	6	6
7	7	7
8	8	8
9	9	9
10	10	10
11	11	11
12	12	12
13	13	13
14	14	14
15	15	15
16	16	16
17	17	17
18	18	18
19	19	19
20	20	20
21	21	21
22	22	22
23	23	23
24	24	24
25	25	25
26	26	26
27	27	27
28	28	28
29	29	29
30	30	30
31	31	31
32	32	32
33	33	33
34	34	34
35	35	35
36	36	36
37	37	37
38	38	38
39	39	39
40	40	40
41	41	41
42	42	42
43	43	43
44	44	44
45	45	45
46	46	46
47	47	47
48	48	48
49	49	49
50	50	50
51	51	51
52	52	52
53	53	53
54	54	54
55	55	55
56	56	56
57	57	57
58	58	58
59	59	59
60	60	60
61	61	61
62	62	62
63	63	63
64	64	64
65	65	65
66	66	66
67	67	67
68	68	68
69	69	69
70	70	70
71	71	71
72	72	72
73	73	73
74	74	74
75	75	75
76	76	76
77	77	77
78	78	78
79	79	79
80	80	80
81	81	81
82	82	82
83	83	83
84	84	84
85	85	85
86	86	86
87	87	87
88	88	88
89	89	89
90	90	90
91	91	91
92	92	92
93	93	93
94	94	94
95	95	95
96	96	96
97	97	97
98	98	98
99	99	99
100	100	100



RESEARCH AND RESEARCHERS
 Continued from page 100

LINE	DESCRIPTION	AMOUNT
1	100% OF 100% OF 100% OF 100% OF 100%	100.00
2	100% OF 100% OF 100% OF 100% OF 100%	100.00
3	100% OF 100% OF 100% OF 100% OF 100%	100.00
4	100% OF 100% OF 100% OF 100% OF 100%	100.00
5	100% OF 100% OF 100% OF 100% OF 100%	100.00
6	100% OF 100% OF 100% OF 100% OF 100%	100.00
	TOTAL	600.00

Copyright © 2007 by The McGraw-Hill Companies, Inc.

[illegible]

1. Identify the main idea of the passage.
 2. Identify the supporting details.
 3. Identify the author's purpose.
 4. Identify the author's tone.

Sl. No.	Particulars	Amount
1	Salaries & Wages	100000
2	Gratuity	10000
3	Provident Fund	10000
4	Medical Insurance	10000
5	Income Tax	10000
6	Professional Fees	10000
7	Travel Expenses	10000
8	Entertainment	10000
9	Gifts	10000
10	Donations	10000
11	Interest on Loans	10000
12	Interest on Deposits	10000
13	Dividend Income	10000
14	Rental Income	10000
15	Capital Gains	10000
16	Losses	10000
17	Unrealized Gains	10000
18	Unrealized Losses	10000
19	Provisions	10000
20	Reserves	10000
21	Retained Earnings	10000
22	Dividends Paid	10000
23	Share Repurchases	10000
24	Debt Repurchases	10000
25	Other Transactions	10000
26	Net Income	10000
27	Net Loss	10000
28	Net Profit	10000
29	Net Loss	10000
30	Net Profit	10000

© 2000 Blackwell Science Ltd
Journal of Internal Medicine 247: 399–407

Line	Description	Amount
1	General & Administrative Expenses	100.00
2	Travel Expenses	200.00
3	Interest on Notes	50.00
	Total	350.00

RESEARCH REPORT: HUMAN RIGHTS
Constitutional Review Commission Report on the Human Rights

Item	Description	Amount
1	For the first year	100,000,000
2	For the second year	100,000,000
3	For the third year	100,000,000
	Total	300,000,000

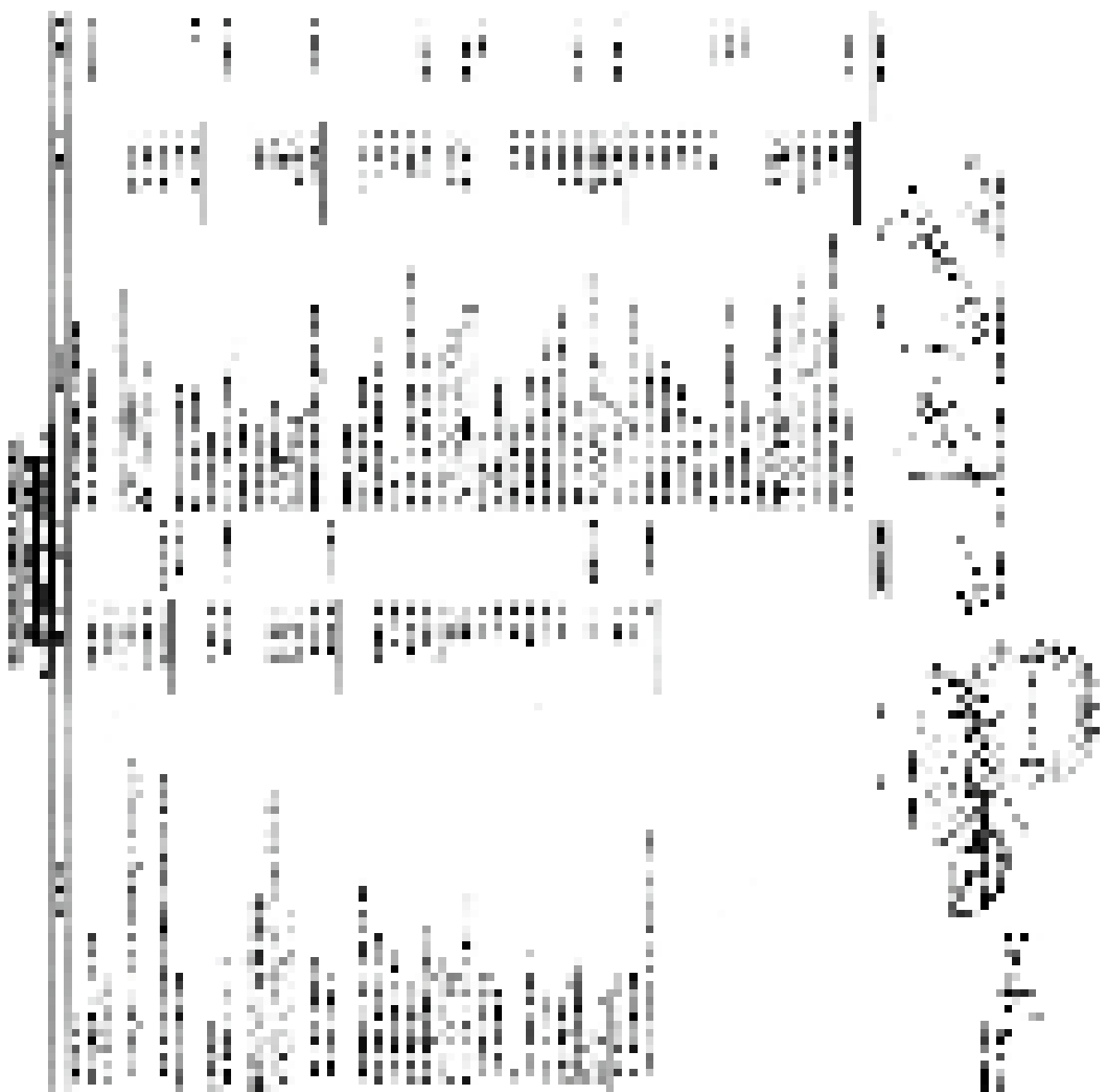
RESEARCH REPORT: HUMAN RIGHTS
Constitutional Review Commission Report on the Human Rights

Item	Description	Amount
1	For the first year	100,000,000
2	For the second year	100,000,000
3	For the third year	100,000,000
4	For the fourth year	100,000,000
	Total	400,000,000









www.elsevier.com/locate/jbiotec

1. **Identify the main idea or topic of the passage.**
 2. **Read the passage carefully, paying attention to details.**
 3. **Underline key words and phrases.**
 4. **Summarize the main points in your own words.**
 5. **Answer the questions based on the information provided.**

© 1997 by The McGraw-Hill Companies, Inc.

[illegible]

[illegible]

U.S. DEPARTMENT OF AGRICULTURE



2. 2019 年 12 月 31 日 资产负债表

2019 年 12 月 31 日 资产负债表

单位：人民币元

项目	2019 年 12 月 31 日	2018 年 12 月 31 日
流动资产	1,000,000.00	1,000,000.00
非流动资产	1,000,000.00	1,000,000.00
资产总计	2,000,000.00	2,000,000.00

3. 2019 年 12 月 31 日 利润表

项目	2019 年 12 月 31 日	2018 年 12 月 31 日
营业收入	1,000,000.00	1,000,000.00
营业成本	1,000,000.00	1,000,000.00
营业利润	0.00	0.00
利润总额	0.00	0.00
净利润	0.00	0.00

4. 2019 年 12 月 31 日 现金流量表

2019 年 12 月 31 日 现金流量表

单位：人民币元

项目	2019 年 12 月 31 日	2018 年 12 月 31 日
经营活动产生的现金流量	1,000,000.00	1,000,000.00
投资活动产生的现金流量	1,000,000.00	1,000,000.00
筹资活动产生的现金流量	1,000,000.00	1,000,000.00
现金及现金等价物净增加额	3,000,000.00	3,000,000.00
期初现金及现金等价物余额	1,000,000.00	1,000,000.00
期末现金及现金等价物余额	4,000,000.00	4,000,000.00
现金流量净额	3,000,000.00	3,000,000.00

5. 2019 年 12 月 31 日 所有者权益变动表

项目	2019 年 12 月 31 日	2018 年 12 月 31 日
实收资本	1,000,000.00	1,000,000.00
资本公积	1,000,000.00	1,000,000.00
盈余公积	1,000,000.00	1,000,000.00
未分配利润	1,000,000.00	1,000,000.00
所有者权益合计	4,000,000.00	4,000,000.00



2019 年 1 月 1 日 起 施 行 的 《 中 华 人 民 共 和 国 税 收 法 》 第 一 章 总 则 第 二 章 所 得 税 第 三 章 消 费 税 第 四 章 契 捐 税 第 五 章 房 地 产 税 第 六 章 车 船 税 第 七 章 烟 草 税 第 八 章 盐 税 第 九 章 关 税 第 十 章 其 他 税 种 第 十 一 章 附 则

第 一 章 总 则 第 二 章 所 得 税 第 三 章 消 费 税 第 四 章 契 捐 税 第 五 章 房 地 产 税 第 六 章 车 船 税 第 七 章 烟 草 税 第 八 章 盐 税 第 九 章 关 税 第 十 章 其 他 税 种 第 十 一 章 附 则

第 一 章 总 则 第 二 章 所 得 税 第 三 章 消 费 税 第 四 章 契 捐 税 第 五 章 房 地 产 税 第 六 章 车 船 税 第 七 章 烟 草 税 第 八 章 盐 税 第 九 章 关 税 第 十 章 其 他 税 种 第 十 一 章 附 则

序 号	税 种 名 称	税 率
1	所 得 税	20%
2	消 费 税	10%
3	契 捐 税	10%
4	房 地 产 税	10%
5	车 船 税	10%
6	烟 草 税	10%
7	盐 税	10%
8	关 税	10%
9	其 他 税 种	10%
10	附 则	10%
11	附 则	10%
12	附 则	10%
13	附 则	10%
14	附 则	10%
15	附 则	10%
16	附 则	10%
17	附 则	10%
18	附 则	10%
19	附 则	10%
20	附 则	10%
21	附 则	10%
22	附 则	10%
23	附 则	10%
24	附 则	10%
25	附 则	10%
26	附 则	10%
27	附 则	10%
28	附 则	10%
29	附 则	10%
30	附 则	10%
31	附 则	10%
32	附 则	10%
33	附 则	10%
34	附 则	10%
35	附 则	10%
36	附 则	10%
37	附 则	10%
38	附 则	10%
39	附 则	10%
40	附 则	10%
41	附 则	10%
42	附 则	10%
43	附 则	10%
44	附 则	10%
45	附 则	10%
46	附 则	10%
47	附 则	10%
48	附 则	10%
49	附 则	10%
50	附 则	10%
51	附 则	10%
52	附 则	10%
53	附 则	10%
54	附 则	10%
55	附 则	10%
56	附 则	10%
57	附 则	10%
58	附 则	10%
59	附 则	10%
60	附 则	10%
61	附 则	10%
62	附 则	10%
63	附 则	10%
64	附 则	10%
65	附 则	10%
66	附 则	10%
67	附 则	10%
68	附 则	10%
69	附 则	10%
70	附 则	10%
71	附 则	10%
72	附 则	10%
73	附 则	10%
74	附 则	10%
75	附 则	10%
76	附 则	10%
77	附 则	10%
78	附 则	10%
79	附 则	10%
80	附 则	10%
81	附 则	10%
82	附 则	10%
83	附 则	10%
84	附 则	10%
85	附 则	10%
86	附 则	10%
87	附 则	10%
88	附 则	10%
89	附 则	10%
90	附 则	10%
91	附 则	10%
92	附 则	10%
93	附 则	10%
94	附 则	10%
95	附 则	10%
96	附 则	10%
97	附 则	10%
98	附 则	10%
99	附 则	10%
100	附 则	10%

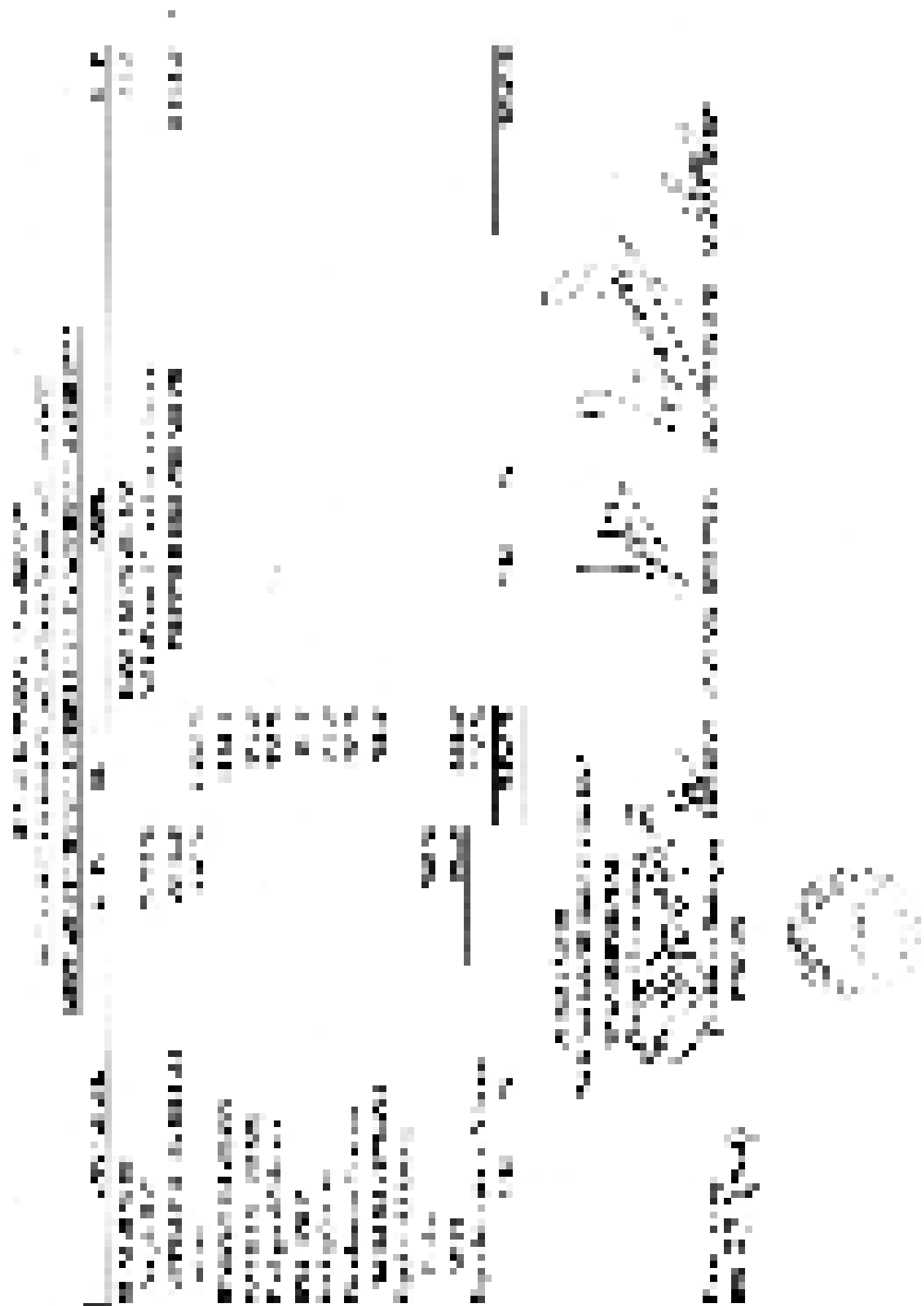


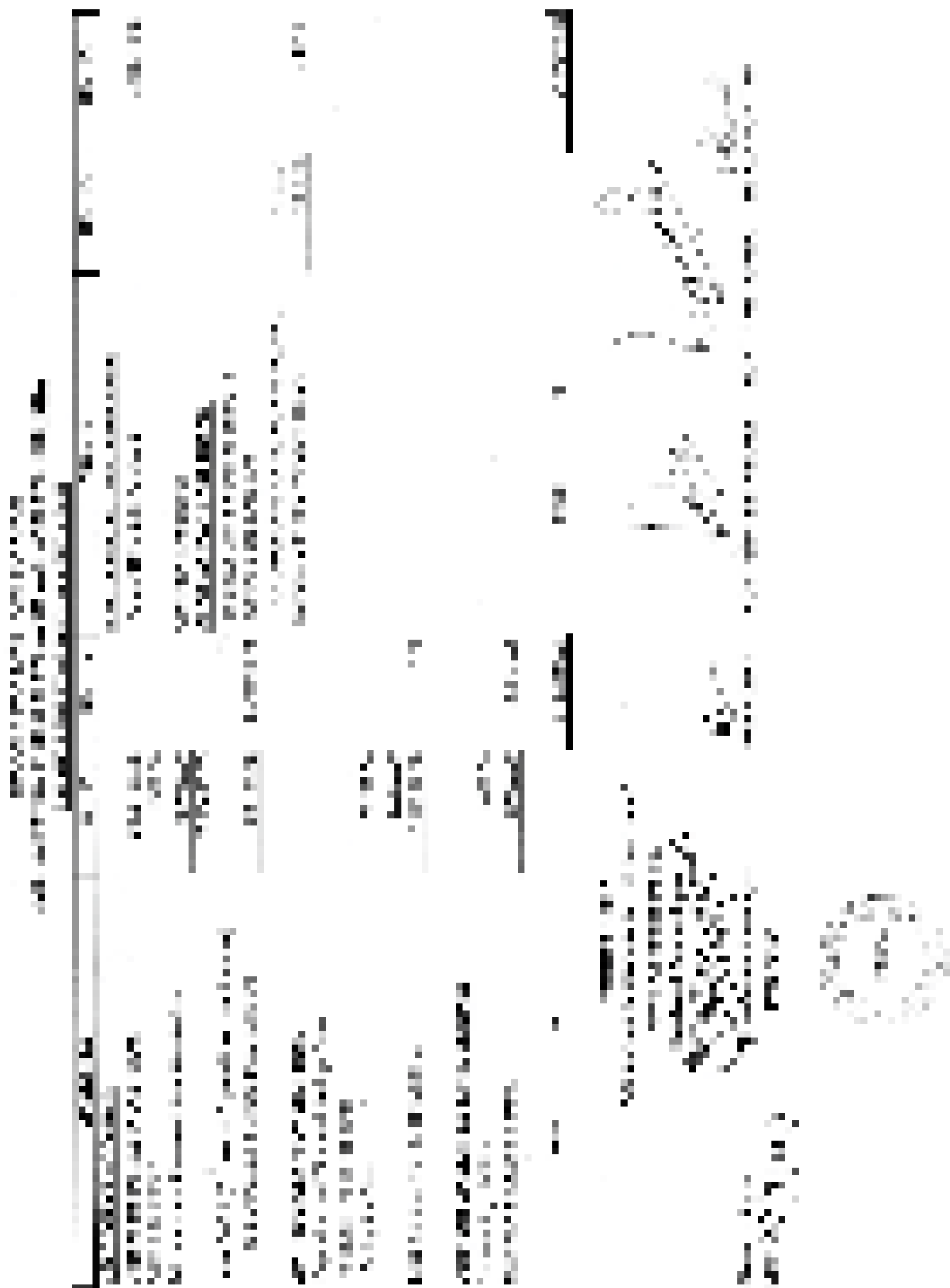
第 一 章 总 则 第 二 章 所 得 税 第 三 章 消 费 税 第 四 章 契 捐 税 第 五 章 房 地 产 税 第 六 章 车 船 税 第 七 章 烟 草 税 第 八 章 盐 税 第 九 章 关 税 第 十 章 其 他 税 种 第 十 一 章 附 则

1. The first step in the process is to identify the problem. This involves gathering information about the situation and the people involved. Once the problem is identified, the next step is to analyze it. This involves breaking the problem down into its component parts and determining the causes of the problem. Once the causes are identified, the next step is to develop a plan of action. This involves determining the steps that need to be taken to solve the problem. Once the plan is developed, the next step is to implement it. This involves putting the plan into action and monitoring the progress. Finally, the last step is to evaluate the results. This involves determining whether the problem has been solved and whether the plan was effective.

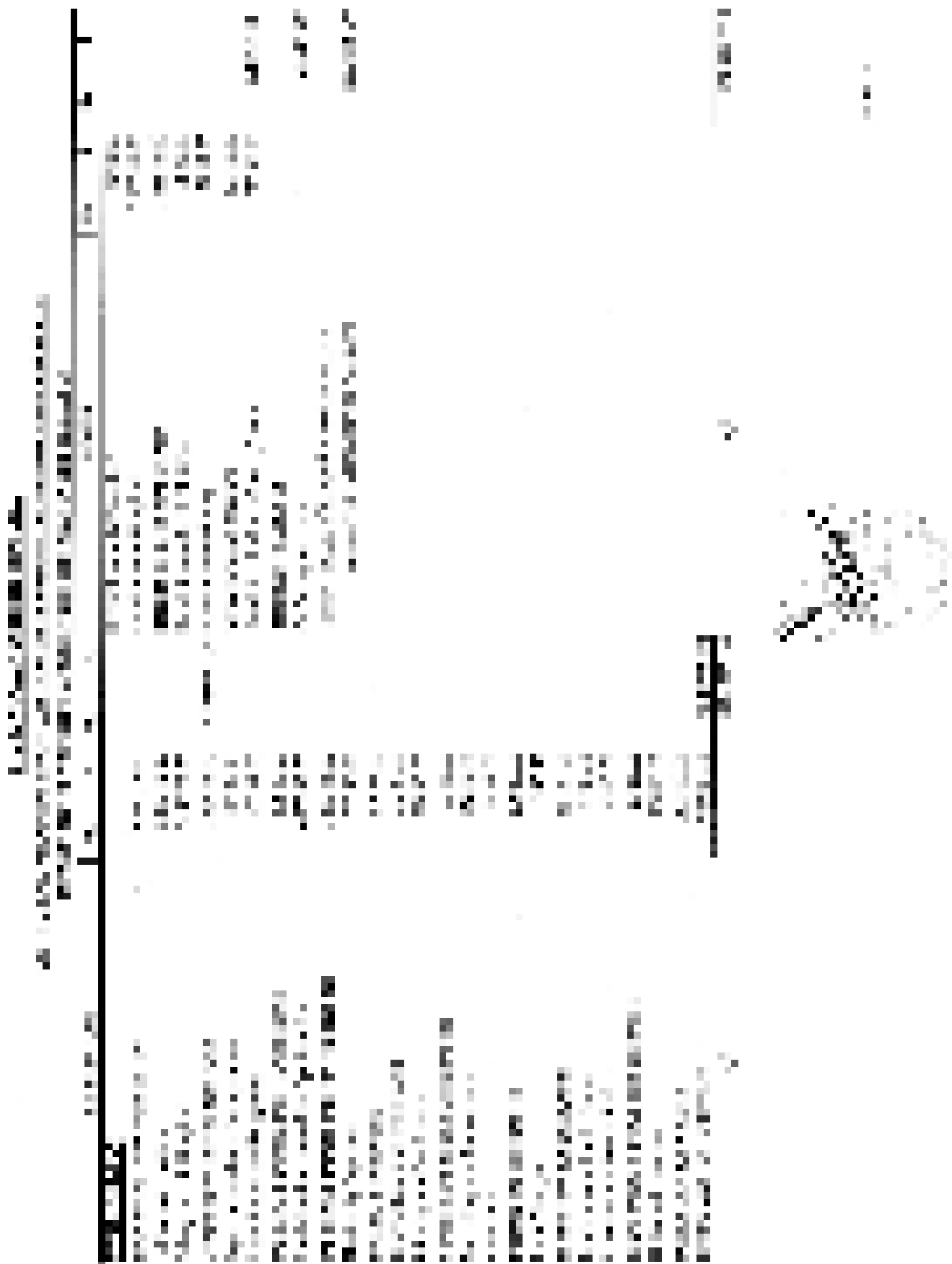
2. The second step in the process is to analyze the problem. This involves breaking the problem down into its component parts and determining the causes of the problem. Once the causes are identified, the next step is to develop a plan of action. This involves determining the steps that need to be taken to solve the problem. Once the plan is developed, the next step is to implement it. This involves putting the plan into action and monitoring the progress. Finally, the last step is to evaluate the results. This involves determining whether the problem has been solved and whether the plan was effective.







1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	14
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	----



1. 1. 1.

2. 2. 2.

3. 3. 3.

4. 4. 4.

5. 5. 5.

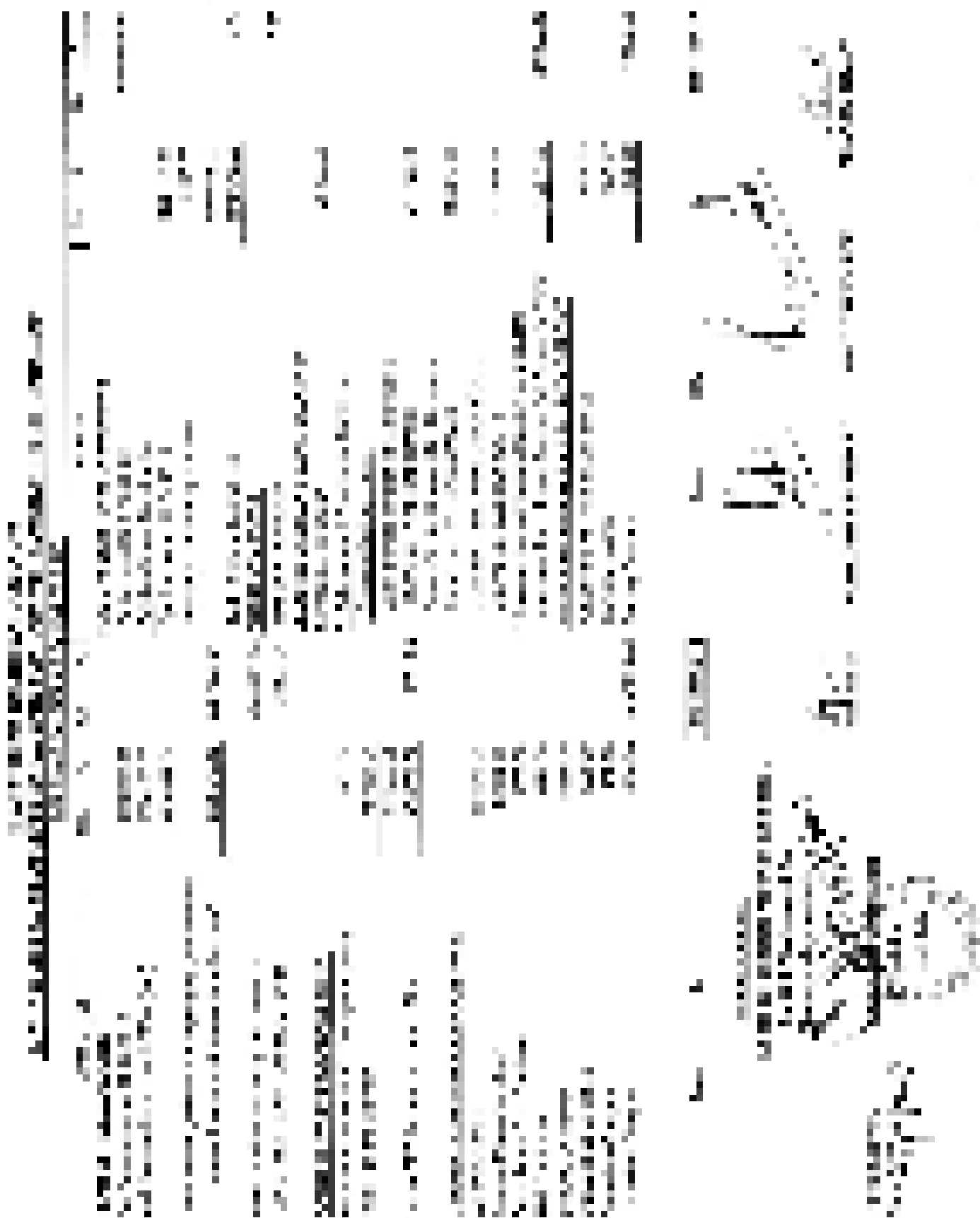
6. 6. 6.

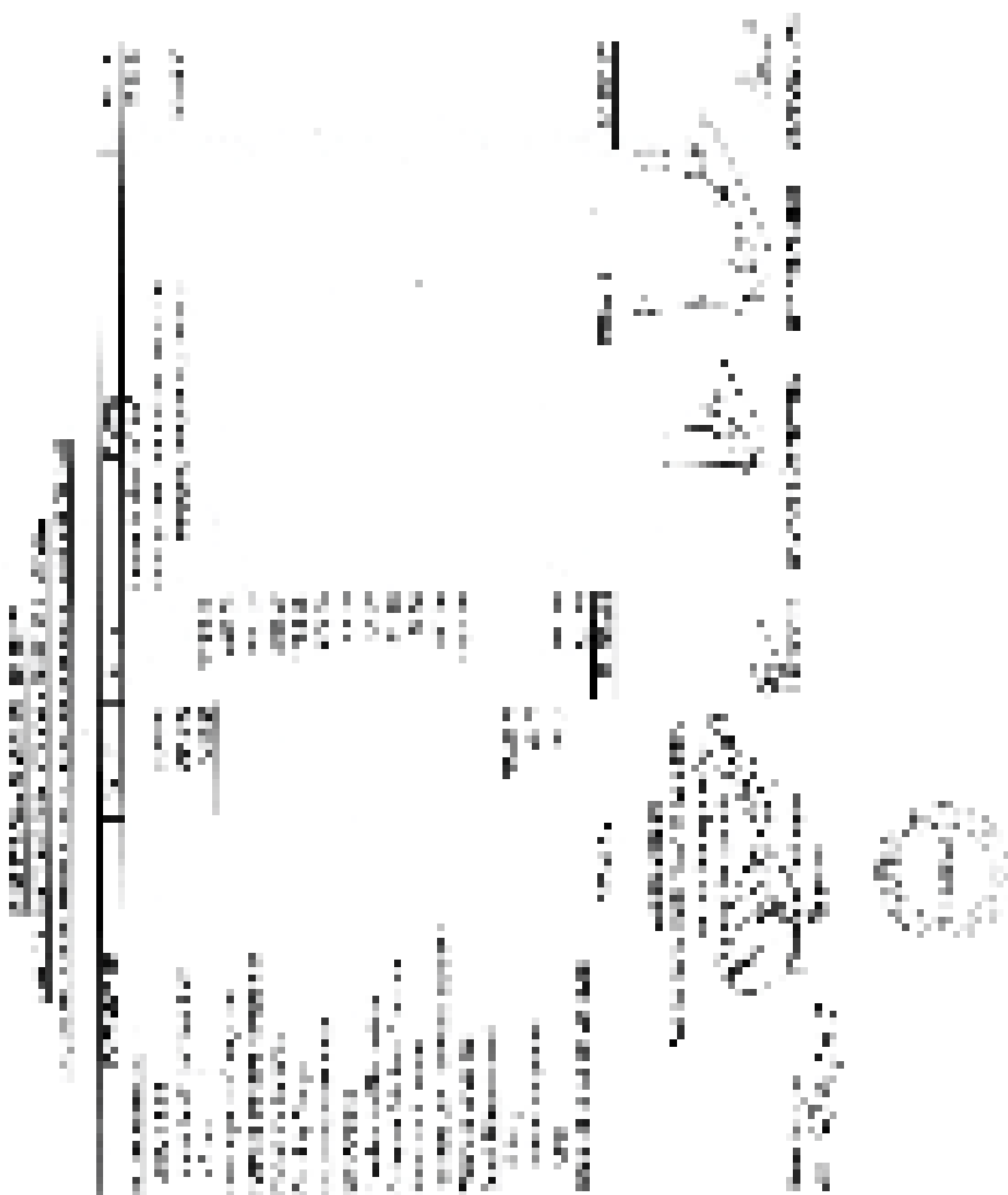
7. 7. 7.

8. 8. 8.

9. 9. 9.

10. 10. 10.

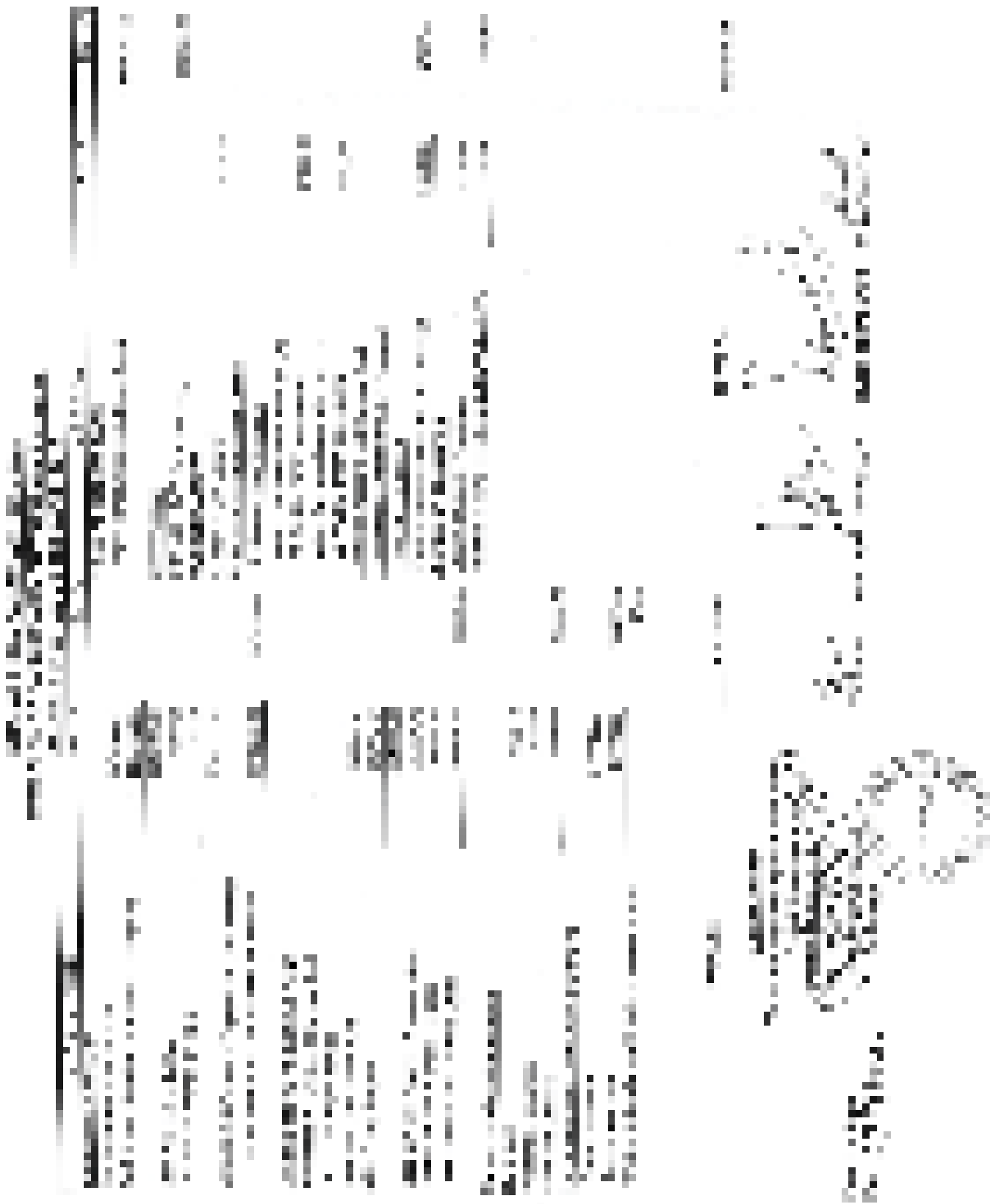




DATE	DESCRIPTION	AMOUNT	CHECK NO.	BANK	REMARKS
10/1/78	DEPOSIT	100.00			
10/2/78	PAYROLL	50.00	101	ABC BANK	
10/3/78	RENT	25.00	102	DEF BANK	
10/4/78	SALES	75.00	103	GHI BANK	
10/5/78	UTILITIES	10.00	104	JKL BANK	
10/6/78	INVENTORY	30.00	105	MNO BANK	
10/7/78	SALES	60.00	106	PQR BANK	
10/8/78	RENT	25.00	107	STU BANK	
10/9/78	PAYROLL	50.00	108	VWX BANK	
10/10/78	DEPOSIT	100.00			
10/11/78	SALES	80.00	109	YZA BANK	
10/12/78	UTILITIES	10.00	110	BCD BANK	
10/13/78	INVENTORY	30.00	111	EFG BANK	
10/14/78	SALES	70.00	112	HIJ BANK	
10/15/78	RENT	25.00	113	KLM BANK	
10/16/78	PAYROLL	50.00	114	NOP BANK	
10/17/78	DEPOSIT	100.00			
10/18/78	SALES	90.00	115	QRS BANK	
10/19/78	UTILITIES	10.00	116	TUV BANK	
10/20/78	INVENTORY	30.00	117	WXY BANK	
10/21/78	SALES	85.00	118	ZAB BANK	
10/22/78	RENT	25.00	119	CCD BANK	
10/23/78	PAYROLL	50.00	120	EEF BANK	
10/24/78	DEPOSIT	100.00			
10/25/78	SALES	75.00	121	GGH BANK	
10/26/78	UTILITIES	10.00	122	IIJ BANK	
10/27/78	INVENTORY	30.00	123	KKL BANK	
10/28/78	SALES	95.00	124	LLM BANK	
10/29/78	RENT	25.00	125	NNP BANK	
10/30/78	PAYROLL	50.00	126	OOQ BANK	
10/31/78	DEPOSIT	100.00			

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	14
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	----



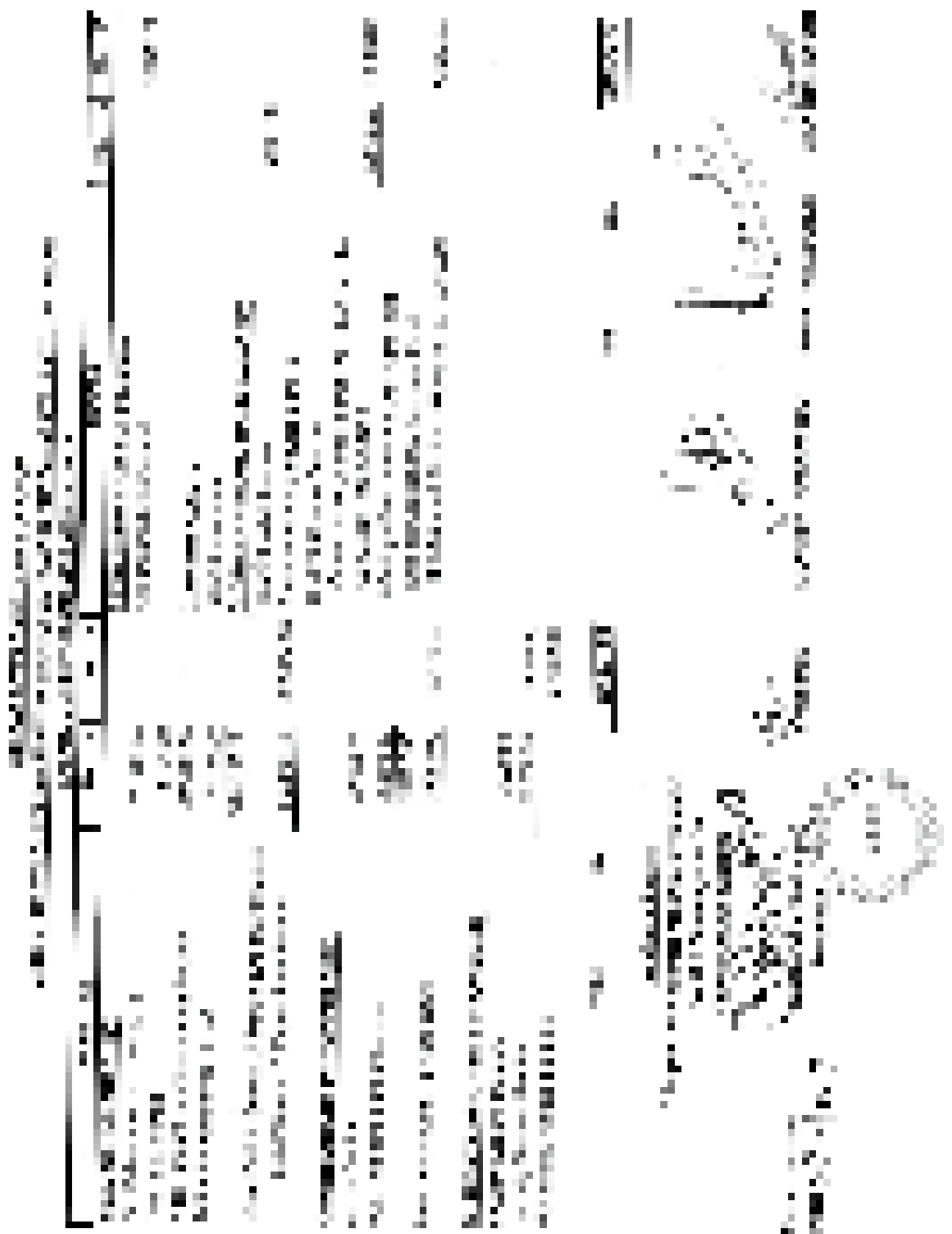


1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	14
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	----

DATE	DESCRIPTION	AMOUNT	CHECK NO.	BANK
1/1/19	Initial deposit	100.00		Bank of America
1/15/19	Payment received	50.00	101	Bank of America
2/1/19	Payment received	75.00	102	Bank of America
2/15/19	Payment received	100.00	103	Bank of America
3/1/19	Payment received	125.00	104	Bank of America
3/15/19	Payment received	150.00	105	Bank of America
4/1/19	Payment received	175.00	106	Bank of America
4/15/19	Payment received	200.00	107	Bank of America
5/1/19	Payment received	225.00	108	Bank of America
5/15/19	Payment received	250.00	109	Bank of America
6/1/19	Payment received	275.00	110	Bank of America
6/15/19	Payment received	300.00	111	Bank of America
7/1/19	Payment received	325.00	112	Bank of America
7/15/19	Payment received	350.00	113	Bank of America
8/1/19	Payment received	375.00	114	Bank of America
8/15/19	Payment received	400.00	115	Bank of America
9/1/19	Payment received	425.00	116	Bank of America
9/15/19	Payment received	450.00	117	Bank of America
10/1/19	Payment received	475.00	118	Bank of America
10/15/19	Payment received	500.00	119	Bank of America
11/1/19	Payment received	525.00	120	Bank of America
11/15/19	Payment received	550.00	121	Bank of America
12/1/19	Payment received	575.00	122	Bank of America
12/15/19	Payment received	600.00	123	Bank of America
1/1/20	Payment received	625.00	124	Bank of America
1/15/20	Payment received	650.00	125	Bank of America
2/1/20	Payment received	675.00	126	Bank of America
2/15/20	Payment received	700.00	127	Bank of America
3/1/20	Payment received	725.00	128	Bank of America
3/15/20	Payment received	750.00	129	Bank of America
4/1/20	Payment received	775.00	130	Bank of America
4/15/20	Payment received	800.00	131	Bank of America
5/1/20	Payment received	825.00	132	Bank of America
5/15/20	Payment received	850.00	133	Bank of America
6/1/20	Payment received	875.00	134	Bank of America
6/15/20	Payment received	900.00	135	Bank of America
7/1/20	Payment received	925.00	136	Bank of America
7/15/20	Payment received	950.00	137	Bank of America
8/1/20	Payment received	975.00	138	Bank of America
8/15/20	Payment received	1000.00	139	Bank of America
9/1/20	Payment received	1025.00	140	Bank of America
9/15/20	Payment received	1050.00	141	Bank of America
10/1/20	Payment received	1075.00	142	Bank of America
10/15/20	Payment received	1100.00	143	Bank of America
11/1/20	Payment received	1125.00	144	Bank of America
11/15/20	Payment received	1150.00	145	Bank of America
12/1/20	Payment received	1175.00	146	Bank of America
12/15/20	Payment received	1200.00	147	Bank of America
1/1/21	Payment received	1225.00	148	Bank of America
1/15/21	Payment received	1250.00	149	Bank of America
2/1/21	Payment received	1275.00	150	Bank of America
2/15/21	Payment received	1300.00	151	Bank of America
3/1/21	Payment received	1325.00	152	Bank of America
3/15/21	Payment received	1350.00	153	Bank of America
4/1/21	Payment received	1375.00	154	Bank of America
4/15/21	Payment received	1400.00	155	Bank of America
5/1/21	Payment received	1425.00	156	Bank of America
5/15/21	Payment received	1450.00	157	Bank of America
6/1/21	Payment received	1475.00	158	Bank of America
6/15/21	Payment received	1500.00	159	Bank of America
7/1/21	Payment received	1525.00	160	Bank of America
7/15/21	Payment received	1550.00	161	Bank of America
8/1/21	Payment received	1575.00	162	Bank of America
8/15/21	Payment received	1600.00	163	Bank of America
9/1/21	Payment received	1625.00	164	Bank of America
9/15/21	Payment received	1650.00	165	Bank of America
10/1/21	Payment received	1675.00	166	Bank of America
10/15/21	Payment received	1700.00	167	Bank of America
11/1/21	Payment received	1725.00	168	Bank of America
11/15/21	Payment received	175		

[illegible]





1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108	109	110	111	112	113	114	115	116	117	118	119	120	121	122	123	124	125	126	127	128	129	130	131	132	133	134	135	136	137	138	139	140	141	142	143	144	145	146	147	148	149	150	151	152	153	154	155	156	157	158	159	160	161	162	163	164	165	166	167	168	169	170	171	172	173	174	175	176	177	178	179	180	181	182	183	184	185	186	187	188	189	190	191	192	193	194	195	196	197	198	199	200	201	202	203	204	205	206	207	208	209	210	211	212	213	214	215	216	217	218	219	220	221	222	223	224	225	226	227	228	229	230	231	232	233	234	235	236	237	238	239	240	241	242	243	244	245	246	247	248	249	250	251	252	253	254	255	256	257	258	259	260	261	262	263	264	265	266	267	268	269	270	271	272	273	274	275	276	277	278	279	280	281	282	283	284	285	286	287	288	289	290	291	292	293	294	295	296	297	298	299	300	301	302	303	304	305	306	307	308	309	310	311	312	313	314	315	316	317	318	319	320	321	322	323	324	325	326	327	328	329	330	331	332	333	334	335	336	337	338	339	340	341	342	343	344	345	346	347	348	349	350	351	352	353	354	355	356	357	358	359	360	361	362	363	364	365	366	367	368	369	370	371	372	373	374	375	376	377	378	379	380	381	382	383	384	385	386	387	388	389	390	391	392	393	394	395	396	397	398	399	400	401	402	403	404	405	406	407	408	409	410	411	412	413	414	415	416	417	418	419	420	421	422	423	424	425	426	427	428	429	430	431	432	433	434	435	436	437	438	439	440	441	442	443	444	445	446	447	448	449	450	451	452	453	454	455	456	457	458	459	460	461	462	463	464	465	466	467	468	469	470	471	472	473	474	475	476	477	478	479	480	481	482	483	484	485	486	487	488	489	490	491	492	493	494	495	496	497	498	499	500	501	502	503	504	505	506	507	508	509	510	511	512	513	514	515	516	517	518	519	520	521	522	523	524	525	526	527	528	529	530	531	532	533	534	535	536	537	538	539	540	541	542	543	544	545	546	547	548	549	550	551	552	553	554	555	556	557	558	559	560	561	562	563	564	565	566	567	568	569	570	571	572	573	574	575	576	577	578	579	580	581	582	583	584	585	586	587	588	589	590	591	592	593	594	595	596	597	598	599	600	601	602	603	604	605	606	607	608	609	610	611	612	613	614	615	616	617	618	619	620	621	622	623	624	625	626	627	628	629	630	631	632	633	634	635	636	637	638	639	640	641	642	643	644	645	646	647	648	649	650	651	652	653	654	655	656	657	658	659	660	661	662	663	664	665	666	667	668	669	670	671	672	673	674	675	676	677	678	679	680	681	682	683	684	685	686	687	688	689	690	691	692	693	694	695	696	697	698	699	700	701	702	703	704	705	706	707	708	709	710	711	712	713	714	715	716	717	718	719	720	721	722	723	724	725	726	727	728	729	730	731	732	733	734	735	736	737	738	739	740	741	742	743	744	745	746	747	748	749	750	751	752	753	754	755	756	757	758	759	760	761	762	763	764	765	766	767	768	769	770	771	772	773	774	775	776	777	778	779	780	781	782	783	784	785	786	787	788	789	790	791	792	793	794	795	796	797	798	799	800	801	802	803	804	805	806	807	808	809	810	811	812	813	814	815	816	817	818	819	820	821	822	823	824	825	826	827	828	829	830	831	832	833	834	835	836	837	838	839	840	841	842	843	844	845	846	847	848	849	850	851	852	853	854	855	856	857	858	859	860	861	862	863	864	865	866	867	868	869	870	871	872	873	874	875	876	877	878	879	880	881	882	883	884	885	886	887	888	889	890	891	892	893	894	895	896	897	898	899	900	901	902	903	904	905	906	907	908	909	910	911	912	913	914	915	916	917	918	919	920	921	922	923	924	925	926	927	928	929	930	931	932	933	934	935	936	937	938	939	940	941	942	943	944	945	946	947	948	949	950	951	952	953	954	955	956	957	958	959	960	961	962	963	964	965	966	967	968	969	970	971	972	973	974	975	976	977	978	979	980	981	982	983	984	985	986	987	988	989	990	991	992	993	994	995	996	997	998	999	1000	1001	1002	1003	1004	1005	1006	1007	1008	1009	1010	1011	1012	1013	1014	1015	1016	1017	1018	1019	1020	1021	1022	1023	1024	1025	1026	1027	1028	1029	1030	1031	1032	1033	1034	1035	1036	1037	1038	1039	1040	1041	1042	1043	1044	1045	1046	1047	1048	1049	1050	1051	1052	1053	1054	1055	1056	1057	1058	1059	1060	1061	1062	1063	1064	1065	1066	1067	1068	1069	1070	1071	1072	1073	1074	1075	1076	1077	1078	1079	1080	1081	1082	1083	1084	1085	1086	1087	1088	1089	1090	1091	1092	1093	1094	1095	1096	1097	1098	1099	1100	1101	1102	1103	1104	1105	1106	1107	1108	1109	1110	1111	1112	1113	1114	1115	1116	1117	1118	1119	1120	1121	1122	1123	1124	1125	1126	1127	1128	1129	1130	1131	1132	1133	1134	1135	1136	1137	1138	1139	1140	1141	1142	1143	1144	1145	1146	1147	1148	1149	1150	1151	1152	1153	1154	1155	1156	1157	1158	1159	1160	1161	1162	1163	1164	1165	1166	1167	1168	1169	1170	1171	1172	1173	1174	1175	1176	1177	1178	1179	1180	1181	1182	1183	1184	1185	1186	1187	1188	1189	1190	1191	1192	1193	1194	1195	1196	1197	1198	1199	1200	1201	1202	1203	1204	1205	1206	1207	1208	1209	1210	1211	1212	1213	1214	1215	1216	1217	1218	1219	1220	1221	1222	1223	1224	1225	1226	1227	1228	1229	1230	1231	1232	1233	1234	1235	1236	1237	1238	1239	1240	1241	1242	1243	1244	1245	1246	1247	1248	1249	1250	1251	1252	1253	1254	1255	1256	1257	1258	1259	1260	1261	1262	1263	1264	1265	1266	1267	1268	1269	1270	1271	1272	1273	1274	1275	1276	1277	1278	1279	1280	1281	1282	1283	1284	1285	1286	1287	1288	1289	1290	1291	1292	1293	1294	1295	1296	1297	1298	1299	1300	1301	1302	1303	1304	1305	1306	1307	1308	1309	1310	1311	1312	1313	1314	1315	1316	1317	1318	1319	1320	1321	1322	1323	1324	1325	1326	1327	1328	1329	1330	1331	1332	1333	1334	1335	1336	1337	1338	1339	1340	1341	1342	1343	1344	1345	1346	1347	1348	1349	1350	1351	1352	1353	1354	1355	1356	1357	1358	1359	1360	1361	1362	1363	1364	1365	1366	1367	1368	1369	1370	1371	1372	1373	1374	1375	1376	1377	1378	1379	1380	1381	1382	1383	1384	1385	1386	1387	1388	1389	1390	1391	1392	1393	1394	1395	1396	1397	1398	1399	1400	1401	1402	1403	1404	1405	1406	1407	1408	1409	1410	1411	1412	1413	1414	1415	1416	1417	1418	1419	1420	1421	1422	1423	1424	1425	1426	1427	1428	1429	1430	1431	1432	1433	1434	1435	1436	1437	1438	1439	1440	1441	1442	1443	1444	1445	1446	1447	1448	1449	1450	1451	1452	1453	1454	1455	1456	1457	1458	1459	1460	1461	1462	1463	1464	1465	1466	1467	1468	1469	1470	1471	1472	1473	1474	1475	1476	1477	1478	1479	1480	1481	1482	1483	1484	1485	1486	1487	1488	1489	1490	1491	1492	1493	1494	1495	14
---	---	---	---	---	---	---	---	---	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	------	----



1. The first step is to identify the problem or question that needs to be answered. This involves understanding the context and the specific requirements of the task.

100

100

[illegible]

11

100



4. **Conclusions**

1. **Introduction**



1. The following table shows the number of people who were employed in the manufacturing sector in the United Kingdom from 1970 to 1990. The number of people employed in the manufacturing sector is given in millions.

1. The following are the names of the people who are members of the committee:

1. **Introduction**

2. The results of the regression analysis are reported in Table 1. The F-statistic is significant at all the 1% level of significance. The adjusted R-squared is 0.82, indicating that 82% of the variation in the dependent variable is explained by the independent variables.

111 **Procedural** is designed to be used by a person who is not a professional, but who has a good understanding of the law. It is a good idea to use it as a guide to the law, but it is not a substitute for a professional opinion.

1. **THEORY** (100 marks)

Abstract

For more information, contact the following:

© 2000 Blackwell Science Ltd *Journal of Internal Medicine* 247: 111–116

1. The author argues that the use of the word "terrorism" is a political tool used by the government to justify the use of force against its citizens. The author argues that the word "terrorism" is a label that is used to describe acts of violence that are carried out by individuals or groups who are motivated by political or ideological goals. The author argues that the use of the word "terrorism" is a way for the government to justify the use of force against its citizens, and that it is a way for the government to justify the use of force against its citizens.

1000

1. **Identify the main topic of the text.**
 2. **Summarize the main points of the text.**
 3. **Identify the author's purpose.**
 4. **Identify the target audience.**
 5. **Identify the main argument.**
 6. **Identify the supporting evidence.**
 7. **Identify the conclusion.**
 8. **Identify the main theme.**
 9. **Identify the main message.**
 10. **Identify the main idea.**



1. **THEORY**

1. *Journal of the American Medical Association*, 2000; 283: 2689-2693.

1. **UNIVERSITY OF CALIFORNIA, BERKELEY**
 2. **BERKELEY, CALIFORNIA 94720-1980**
 3. **TEL: (415) 845-5200**
 4. **FAX: (415) 845-5200**
 5. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 6. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 7. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 8. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 9. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 10. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 11. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 12. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 13. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 14. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 15. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 16. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 17. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 18. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 19. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 20. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 21. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 22. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 23. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 24. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 25. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 26. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 27. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 28. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 29. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 30. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 31. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 32. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 33. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 34. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 35. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 36. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 37. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 38. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 39. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 40. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 41. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 42. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 43. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 44. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 45. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 46. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 47. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 48. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 49. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 50. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 51. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 52. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 53. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 54. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 55. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 56. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 57. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 58. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 59. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 60. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 61. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 62. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 63. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 64. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 65. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 66. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 67. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 68. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 69. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 70. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 71. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 72. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 73. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 74. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 75. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 76. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 77. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 78. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 79. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 80. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 81. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 82. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 83. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 84. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 85. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 86. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 87. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 88. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 89. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 90. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 91. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 92. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 93. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 94. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 95. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 96. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 97. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 98. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 99. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**
 100. **WWW: WWW.BERKELEY.EDU**

Abstract

• [View all our articles](#) | [Page 2 of 2](#)

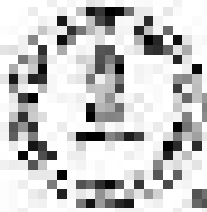
Abstract The purpose of this study was to determine the effect of a 12-week training program on the physical fitness of 100 male and 100 female students. The study was conducted in a school in Ankara, Turkey. The students were divided into two groups: a control group and an experimental group. The experimental group participated in a 12-week training program, while the control group did not. The physical fitness of the students was measured at the beginning and at the end of the 12-week period. The results showed that the experimental group had significantly higher levels of physical fitness than the control group at the end of the 12-week period. The training program was effective in improving the physical fitness of the students.

1. The following information is provided for the year ended 31 December 2014:



Abstract

1000



15000

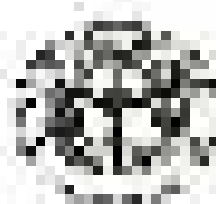
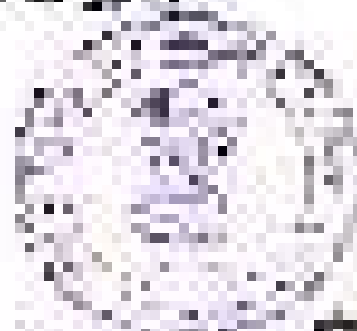
15000 15000 15000

15000 15000

15000 15000

15000 15000

15000 15000



15000 15000 15000

15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000

15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000

15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000

15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000

15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000

15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000

15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000

15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000 15000

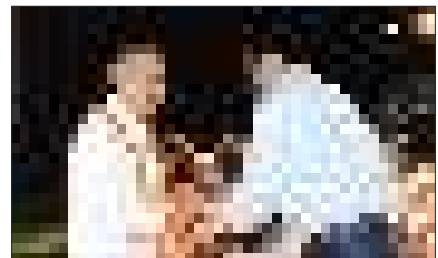
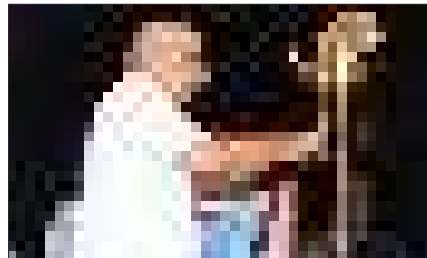
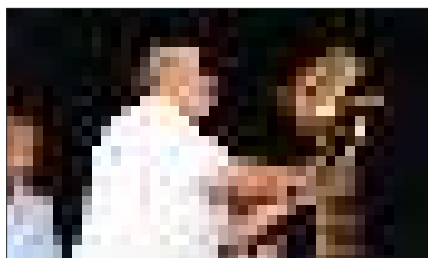
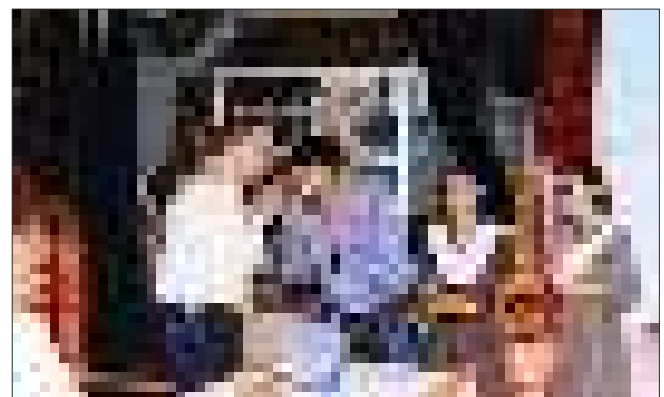
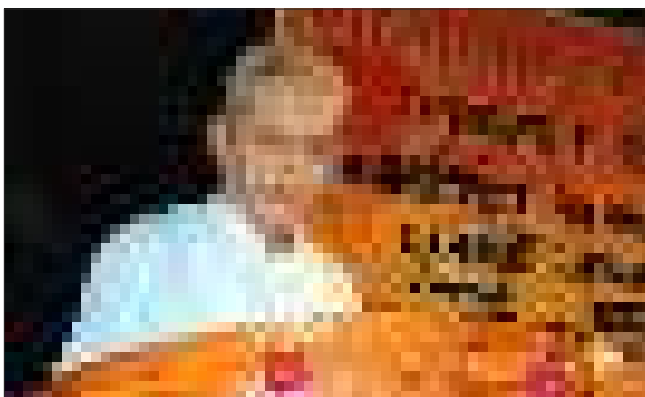
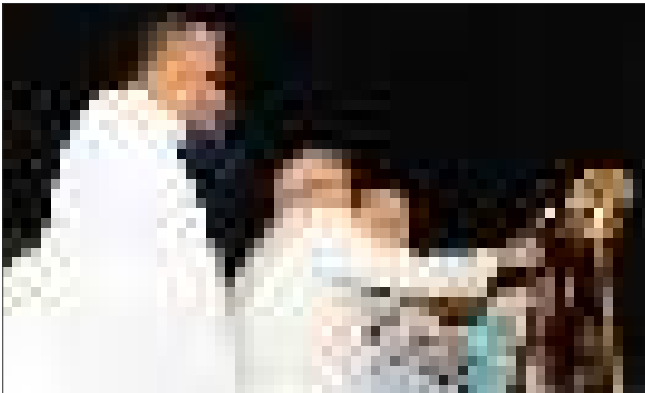


आचार्य नरेंद्र देव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक के साथ भारत सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष डा. दाऊजी गुप्त ।



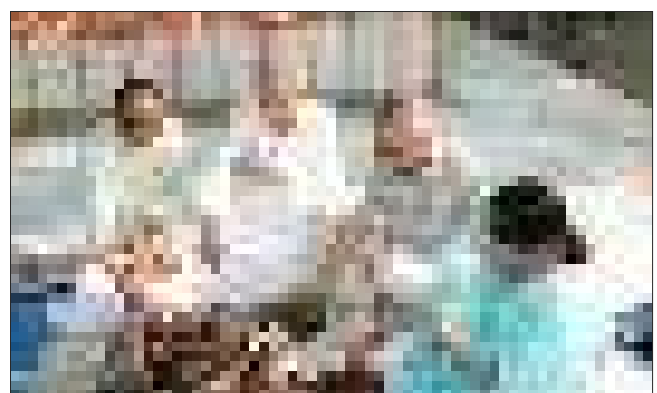
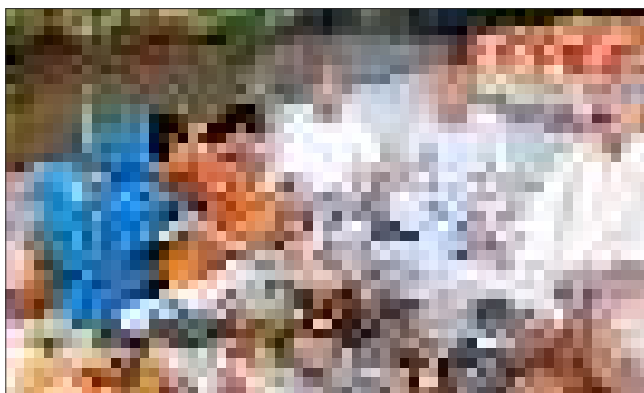


श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त की जन्मोत्सव समारोह में भारत सेवा संस्थान के अध्यक्ष माननीय भगवती सिंह, महामंत्री जे.एन. मिश्र, कोषाध्यक्ष अशोक वाजपेयी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति ने अपने-अपने विचार रखे।





श्रद्धेय चन्द्रभान गुप्त की जन्मोत्सव समारोह में भारत सेवा संस्थान के अध्यक्ष माननीय भगवती सिंह, महामंत्री जे.एन. मिश्र, कोषाध्यक्ष अशोक वाजपेयी (ऊपर) व हवन पूजन करते संस्था के अध्यक्ष मा. भगवती सिंह जी।





हर साल के भांति इस वर्ष भी श्रद्धेय चन्द्रभान गुप्त की जन्मोत्सव के मौके पर कुष्ठ रोगियों को भोजन के साथ-साथ फल वितरण करते भारत सेवा संस्थान के कर्मयोगी सदस्य।

